दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 33 डिग्री
न्युनतम तापमान 26 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 32 डिग्री
न्युनतम तापमान 25 डिग्री

मंगलवार 09 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :04 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 34 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 बेहूदे विकास से उपजे भूकंप

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 325 | गाजियाबाद, मंगलवार 09 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CSDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

एसआईआर में अब 'आधार' पर ही चल जाएगा काम

● सुप्रीम आदेश, इसे 12वां दस्तावेज माने चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में चुनाव आयोग की ओर से चल रहे एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण में अब आधार को भी मान्यता रहेगी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में आदेश दिया और चुनाव आयोग से कहा कि 11 अन्य दस्तावेजों की तरह आधार को भी मान्यता दी जाए। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग किसी की ओर से दिए गए आधार की वैधता की जांच कर सकता है। इस तरह अब वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए आधार को भी मान्यता मिल गई है, जिसकी डिमांड लंबे समय से की जा रही थी। बेंच ने स्पष्ट किया कि आधार कार्ड को एसआईआर के लिए वैध दस्तावेज के तौर पर स्वीकार किया जाए। अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को पहचान और पते के प्रमाण के तौर पर स्वीकार किया जाए। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के पास

यह अधिकार रहेगा कि वह आधार कार्ड की प्रमाणिकता के बारे में जांच कर ले। इस तरह आधार कार्ड को जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, राशन कार्ड समेत अन्य 11 दस्तावेजों की तरह ही मान्यता मिलेगी। बेंच ने चुनाव आयोग से कहा है कि वह आज ही आधार कार्ड को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दे ताकि स्पष्ट संदेश दिया जा सके। बेंच ने यह भी कहा कि आधार कार्ड सिर्फ पहचान का ही प्रमाण है। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वकील ने यह भी कहा कि स्ढ्क्रके दौरान ऐसे लोग भी पाए गए हैं, जो यहां के वोटर बने हुए थे। लेकिन वास्तव में वे घुसपैठिए हैं और अवैध तौर पर भारत में प्रवेश कर के आए हैं। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह एक समस्या है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि आधार कार्ड का वेरिफिकेशन चुनाव आयोग की ओर से किया जा सकता है। बता दें कि यही वजह है कि चुनाव आयोग कहता रहा है कि आधार कार्ड को पता या फिर नागरिकता का आधार नहीं माना जा सकता। गौरतलब है कि चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया में वोटर्स को पूरा वक्त दिया जाएगा और नामांकन से एक दिन पहले तक यह जारी रहेगा।

रेड्डी और लालू प्रसाद की बैठक हताश करने वाली : अधिवक्ता

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी की चारा घोटाले के दोषी लालू प्रसाद के साथ बैठक पर विवाद शुरू हो गया है। इस पूरे प्रकरण पर 20 वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि ये बैठक हताश करने वाली है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने बयान में कहा कि ये बैठक चुनावी नहीं है क्योंकि लालू प्रसाद न तो सांसद के सदस्य हैं और न ही वे उप-राष्ट्रपति चुनाव में वोट देंगे ऐसे में इस बैठक का कोई सियासी उद्देश्य नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो एक उच्च संवैधानिक पद पर काबिज होने के उम्मीदवार हैं, ऐसे में उनकी ये मुलाकात उनके फैसलों पर सवाल खड़े करती है।

कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल

● शोभा यात्रा में खूब चले पत्थर, 8 घायल, 21 गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल की खबर है। गणपति विसर्जन के लिए निकाली जा रही शोभायात्रा में दो समुदाय के लोग मामूली सी बात हुए विवाद के बाद आपस में भिड़ गए। इसके बाद शोभायात्रा पर कथित तौर पर मस्जिद से पथराव किए जाने के आरोप हैं।

इस पथराव में आठ लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा की इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दिया है। पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

ट्रंप टैरिफ का तोड़ निकालने भारत-ईयू आए साथ!

● एफटीए समेत कई मुद्दों पर बन गया है खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत अब रफ्तार पकड़ रही है। नई दिल्ली में 8 सितंबर से शुरू होने वाली 13वीं दौर की वार्ता में दोनों पक्ष गंभीर मसलों पर ध्यान देंगे। गैर-टैरिफ रुकावटें, बाजार में पहुंच, और सरकारी खरीद जैसे मुद्दे इस बार चर्चा का केंद्र होंगे।

दोनों पक्षों का मकसद इस साल के अंत तक इस समझौते को अंतिम रूप देना है, ताकि वैश्विक व्यापार में नई मिसाल कायम हो सके। यह समझौता न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि दोनों के बीच रणनीतिक रिश्तों को भी मजबूत करेगा। इसके साथ ही, भारत और ईयू 2026 की पहली तिमाही में होने वाले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की तैयारियों में जुटे हैं। इस सम्मेलन में कई अहम फैसले और घोषणाएं होने की उम्मीद है। दोनों पक्षों के बीच नई दिल्ली और ब्रसेल्स में कई मुलाकातें तय हैं, जो इस

समझौते को और मजबूती देंगी। खास तौर पर अमेरिका की टैरिफ नीतियों से पैदा हुई उथल-पुथल ने इस समझौते को और अहम बना दिया है। 13वीं और 14वीं दौर की बातचीत में तकनीकी रुकावटें, सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी मसले, बाज़ार में पहुंच, मूल नियम, और सरकारी ख़रीद जैसे अहम मुद्दों पर ज़ोर होगा। अब तक 23 में से 11 अध्यायों पर सहमति बन चुकी है, जिनमें बौद्धिक संपदा, सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार, और धोखाधड़ी-रोधी उपाय शामिल हैं। पूंजी आवाजाही पर एक और अध्याय जल्द पूरा होने वाला है। दोनों पक्ष जुलाई में आदान-प्रदान किए गए सेवाओं और निवेश के प्रस्तावों पर भी काम कर रहे हैं, ताकि सही संतुलन बनाया जा सके।

भीमा कोरेगांव : आरोपी की जमानत पर सुनवाई 15 को

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी महेश राउत की जमानत याचिका पर 15 सितंबर को सुनवाई करने का फैसला किया। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ राउत की याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका में उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद उन्हें जेल में रखे जाने को चुनौती दी है।

हाईकोर्ट ने राउत की जमानत याचिका स्वीकार कर ली, लेकिन एनआईए के अनुरोध पर अपने आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी। इसके बाद, शीर्ष अदालत ने मामले में उनकी रिहाई पर रोक बढ़ा दी। राउत के वकील ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ता गठिया रोग से पीड़ित हैं और उन्हें विशेष चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत है जो जेल या जे. जे. अस्पताल में उपलब्ध नहीं है, जहां उनकी जांच की गई है।

वकील ने जब इस तथ्य का जिक्र किया कि राउत पहले ही लगभग सात साल हिरासत में बिता चुके हैं, तो जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि कोई बात नहीं, हम इस पर विचार करेंगे।

'सुप्रीम' राय, नेता को मोटी चमड़ी वाला होना चाहिए

● तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ याचिका खारिज ● कहा था-भाजपा 400 सीट जीती तो आरक्षण खत्म होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा- नेताओं को मोटी चमड़ी का होना चाहिए। राजनीतिक लड़ाइयों के लिए सुप्रीम कोर्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने ये टिप्पणी भाजपा नेता द्वारा तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ लगाई गई याचिका की सुनवाई के दौरान कही। 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान सीएम रेड्डी ने कहा था- अगर बीजेपी 400 सीट जीती तो आरक्षण समाप्त कर देगी। भाजपा नेता का दावा किया था कि इससे पार्टी को नुकसान हुआ और उसने रेड्डी के खिलाफ मानहानि की याचिका दायर की गई थी। तेलंगाना हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने भी याचिका खारिज कर दी। हैदराबाद ट्रायल कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि रेड्डी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के तहत मानहानि के अपराध और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 125 के तहत केस बनता है। अधिनियम की धारा 125 चुनाव से जुड़े वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने से संबंधित थी। रेड्डी ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसमें दावा किया गया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों से उनके खिलाफ केस नहीं बनाते। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक भाषणों को मानहानि का विषय नहीं बनाया जा सकता। भाजपा नेताओं ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बिहारियों के डीएनए को मजदूर बताकर नीचा दिखाने का आरोप लगाया था। इसके बाद उनके बिहार आने का भी विरोध किया था। इसके साथ ही उनसे माफी मांगने की मांग की थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग आज

● एनडीए कैंडीडेट के लिए राह हो गई और आसान ● बीजेडी ने किया किनारा, गठबंधन भी हुआ मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, ये कल 9 सितंबर यानी मंगलवार को वोटिंग के बाद स्पष्ट हो जाएगा। उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले सियासी गहमागहमी तेज है। इस बीच नवीन पटनायक की पार्टी बीजू जनता दल ने वोटिंग से एक दिन पहले अपने पत्ते खोल दिए। बीजेडी का कहना है कि वो उपराष्ट्रपति चुनाव में शामिल नहीं होगी। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि न तो वो केंद्र की सत्ताधारी एनडीए के उम्मीदवार को सपोर्ट करेंगे और न ही विपक्षी इंडिया गठबंधन के कैंडीडेट को।

बीजेडी के इस दांव से एनडीए कैंडीडेट की राह और आसान हो गई। नंबर गेम में सत्ताधारी गठबंधन के उम्मीदवार आगे माने जा रहे हैं। बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि बीजू जनता दल ने मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का फैसला किया है। बीजू जनता दल, एनडीए और इंडिया दोनों ही गठबंधनों से समान दूरी बनाए रखेगा। हमारा ध्यान ओडिशा पर है। हम ओडिशा के साढ़े चार करोड़ लोगों के विकास और कल्याण पर अपना फोकस रखना चाहते हैं। ये फैसला ऐसे समय में हुआ जब बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक दिल्ली में ही मौजूद हैं। ओडिशा से कुल 31 सांसद (लोकसभा में 21 और राज्यसभा में 10) हैं। इनमें बीजेपी के सबसे अधिक 23 सदस्य हैं।

नेपाल में जमकर बवाल, संसद में घुसे प्रदर्शनकारी

● 18 लोगों की मौत, 200 से ज्यादा घायल, सेना की फायरिंग ● सोशल मीडिया बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ युवा कर रहे विरोध

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 18 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी के मुताबिक, नेपाल पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। 100 से ज्यादा युवा घायल भी हुए। इस प्रदर्शन की अगुआई जेन-जेड यानी 18 से 30 साल के युवा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ 12 हजार से ज्यादा युवा प्रदर्शनकारी सोमवार सुबह संसद भवन परिसर में घुस गए थे, जिसके बाद सेना ने कई राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वाले को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब

समेत 26 सोशल मीडिया साइट्स पर बैन लगाने का फैसला किया था। इन प्लेटफॉर्म ने नेपाल के संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। इसके लिए मंत्रालय ने 28 अगस्त को आदेश जारी कर 7 दिन का समय दिया था, यह समय सीमा 2 सितंबर

को खत्म हो गई। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल सरकार पर दमन के आरोप लगाए हैं। एक प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम शांतिपूर्ण विरोध करना चाहते थे, लेकिन आगे बढ़ने पर देखा कि पुलिस हमला कर रही थी और लोगों पर गोली चला रही थी। सत्ता में बैठे लोग अपनी ताकत हम पर नहीं थोप सकते। भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन दबाए जा रहे हैं, जो बोलने की आजादी और अभिव्यक्ति के अधिकार के खिलाफ है। भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन जी के विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक बलुवाटार स्थित प्रधानमंत्री आवास पर हुई। सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली हैं। इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर पहुंचे 6 लोगों की मौत हो गई है। ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टर दीपेंद्र पांडे ने बताया कि वहां लाए गए छह लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा कि दस मरीजों की हालत बेहद नाजुक है, जिन्हें सिर और सीने में गोली लगी है।

महिला को बंधक बनाकर लूटने वाले तीन शातिर दबोचे

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना क्वार्सी क्षेत्र के महावीर पार्क में मैरिज होम संचालक घर में दिनदहाड़े बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर हुई लूट की घटना को उनके ही नौकर ने अंजाम दिलाया था। बदमाश मकान से गुल्लक से केवल 6500 रुपये ही लूटकर ले गए थे।

अलमारी की तलाशी के समय बड़ी बहू की आवाज आने पर बदमाश भाग गए थे। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करते हुए नौकर सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था। क्वार्सी क्षेत्र की महावीर पार्क कॉलोनी के मैरिज होम संचालक कुलदीप वार्ष्णेय के घर में यह घटना 30 अगश्त की दोपहर में हुई थी।

बदमाश उनकी 67 वर्षीय मां राजकुमारी गुप्ता को बंधक बनाकर लूटपाट कर ले गए थे। सीसीटीवी कैमरे में बाइक सवार दो नकाबपोश घर में घुसते समय कैद हुए थे। कुलदीप ने 50 हजार रुपये की नकदी व जेवरात सहित पांच लाख रुपये कीमत का माल जाने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से चंदनिया क्वार्सी के टीटू टीटू सैनी, विजय के यहां काम करने वाला नौकर विजय गहलौत और बेगमबाग के अनिकेत शर्मा उर्फ राधे को चिन्हित किया। टीटू को नौकर विजय ने ही कुलदीप के घर में माल होने की जानकारी देकर लूट की योजना बनाई।

खेरेश्वर धाम पर देवछट मेले का हुआ भव्य समापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

खैर रोड स्थित सिद्ध पीठ खेरेश्वर धाम मंदिर परिसर में दाऊजी महाराज समिति द्वारा आयोजित विराट मेला देव छठ का भव्य समापन हुआ। समिति अध्यक्ष गेहराज सिंह ने कहा कि दस दिवसीय मेले में प्रतिदिन धार्मिक,सांस्कृतिक,देश भक्ति, रसिया दंगल,कुश्ती दंगल,धनुष यज्ञ लीला,कृष्ण लीला/रासलीला का सफल आयोजन किया गया सभी कार्यक्रम संयोजकों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, आभार व्यक्त करता हूं,आगे भी आपके सहयोग से मेले का सफल आयोजन होता रहेगा।

कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि प्रशासन का पूरा सहयोग मिला,साथ ही कृष्ण लीला के संयोजक मुकेश बिहारी सर्राफ को भोले बाबा की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। इसी क्रम में मेला प्रभारी विक्रम सिंह तोमर मेला संयोजक संजय शर्मा द्वारा सभी कार्यक्रम आयोजकों को सम्मानित किया गया। जिसमें सूबेदार डीएस चौहान,धर्मवीर सिंह,घमंडी सिंह वर्मा, सोरन लाल शर्मा, गौरव अग्रवाल राधे राधे, धीरू ठाकुर, राकेश शर्मा, ऋषि शर्मा, छोटेलाल शर्मा, कालू राघव, अनंत गिरी, सुरेंद्र प्रधान, प्रहलाद गिरी,अनिल कुमार टीटू, उमेश सविता, सुनील कुमार साउंड, विजय भाई लाइट, दिगंबर सिंह, नीतो ठेकेदार, ऋषि फूल वाले, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह, अमन गिरी, राजकुमार बघेल सभी सदस्यों को भोले बाबा की तस्वीर देकर सम्मानित किया गया।

शिक्षक संघ ने लगाए 'कुलसचिव गो बैक' के पोस्टर

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एएमयू में शिक्षक संघ का धरना जारी है। यह धरना टीचिंग स्टाफ क्लब पर दिया जा रहा है। जहां कुलसचिव गो बैक के पोस्टर लगाए गए।

विभिन्न मांगों को लेकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने टीचिंग स्टाफ क्लब पर धरना दिया। शिक्षक संघ के डॉ. अशरफ मतीन ने कहा कि डीएसीपी के तहत शिक्षकों को पदोन्नति नहीं मिल रही है। कोर्ट मेंबर में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। धरना स्थल पर अनाधिकृत कुलसचिव गो बैक के पोस्टर लगाए गए। धरने में प्रोफेसर तुफैल अहमद, प्रोफेसर खालिद खान, डॉक्टर मुराद खान, डॉक्टर मुसव्विर आदि मौजूद रहे।

के वी पी एल सीजन का शानदार शुभारम्भ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वार्ष्णेय युवा संगठन, महानगर द्वारा आयोजित क्रिकेट लीग वी पी एल सीजन - 2 का शानदार शुभारम्भ स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ के क्रिकेट ग्राउंड पर हुआ।

वार्ष्णेय युवा संगठन महानगर अलीगढ के सलाहकार भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार सोमवार को प्रातः बारिश की रिमझिम फुहारों के मध्य टॉस के बॉस बने वी पी एल गुप्ता रॉयल्स के कप्तान राहुल बॉम्बे ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया जो सही साबित हुआ। पिच पर हरी घास के मध्य आउटफील्ड गीला होने के कारण पहले बैटिंग करने उतरी वी पी एल अरिष्टो ताशु किंग टीम को एक एक रन के लिए तरसना पड़ा और 12 ओवर के मैच में वो 9 विकेट के नुकसान पर केवल 64 रन ही बना पाई। 65 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम वी पी एल गुप्ता रॉयल्स के ओपनर बैट्समैनों ने तेज शुरुआत दी, और आसानी से यह मुकाबला 9 ओवर्स में ही 70 रन बनाकर 5 विकेट से जीत लिया।

गाजियाबाद को 15 जोन में बांटकर होगा और विकास

जीडीए ने शहर के लिए बनाया नया प्लान

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद महायोजना 2031 लागू होने के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र को 15 जोन में बांटकर और विकसित किया जाएगा। जीडीए ने इस क्षेत्र में घर और दुकान बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, प्राधिकरण के बढ़े 27.56 फीसदी क्षेत्रफल पर आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक गतिविधियां विकसित की जाएंगी।

गाजियाबाद महायोजना 2021 में जीडीए का दायरा 25099.46 हेक्टेयर जमीन पर फैला था, जिसको प्राधिकरण ने 8 जोन में विभाजित कर विकसित किया। अब महायोजना 2031 में प्राधिकरण का दायरा बढ़कर 32017.81 हेक्येटर हो गया है। ऐसे में जीडीए का क्षेत्रफल 27.56 फीसदी बढ़ गया है। इस बढ़े क्षेत्रफल को विकसित करने के लिए प्राधिकरण क्षेत्र को 15 जोन में विभाजित किया जा रहा है।

साथ ही, इसके दो कलस्टर बनाए जाएंगे, ताकि इन्हें योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा सके। अधिकारी बताते हैं कि इसके लिए एक हफ्ते में सलाहकार एजेंसी का चयन हो जाएगा। अधिकारी बताते हैं कि महायोजना 2031 में आवासीय क्षेत्र 15.74 फीसदी बढ़ा है। इस क्षेत्र में लोगों के लिए घर बनेंगे। यहां भूखंड, ग्रुप हाउसिंग की योजनाएं आएंगी। ये क्षेत्र सबसे अधिक राजनगर एक्सटेंशन, लोनी, ट्रांस हिंडन, डासना, मुरादनगर, मोदीनगर आदि में है। महायोजना 2021 में आवासीय क्षेत्र 11119.24 हेक्टेयर था, जो अब 12869.32 हो गया है।

व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा ¬ जिले में व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। महायोजना 2031 में 15.03 फीसदी क्षेत्रफल इसी के लिए रखा गया है। जहां मॉल, रेस्तरां, दुकान, शोरूम और कॉम्प्लेक्स आदि का निर्माण किया जाएगा, ताकि लोगों को रोजगार मिल सके। महायोजना 2031 में 14.84 प्रतिशत क्षेत्रफल उद्योगों के लिए रखा गया है, जिसमें कई औद्योगिक पार्क विकसित होंगे। अतुल वत्स, उपाध्यक्ष, जीडीए, प्राधिकरण क्षेत्र को 15 जोन में विकसित कर योजनाएं लाई जाएंगी। लोगों को घर, दुकान और उद्योग मिलेंगे और क्षेत्र में रोजगार भी बढ़ेगा।

2 टन बारूद और 25 कुंतल बम ठिकाने लगाने वाले 2 गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के बेहटा गांव में एक हफ्ते पूर्व हुए विस्फोट कांड के बाद दो टन बारूद और करीब 25 कुंतल बम ठिकाने वाले दो आरोपियों को गुडंबा पुलिस ने रविवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आमल के घर हुए विस्फोट के बाद दोनों ने अपने और रिश्तदारों के घर से बारुद की बोरियां और बने हुए बम निकालकर गांव के बाहर खेतों और तालाब किनारे फेंके थे। इसके अलावा अर्धनिर्मित मकानों में छुपा दिया था।

हादसे के बाद एक और दो सितंबर को पुलिस की छापेमारी के दौरान गांव के बाहर से दो टन बारूद और 25 कुंतल से अधिक बम बरामद किए गए थे। इसके बाद बरामद माल में पानी डालवाकर पुलिस ने उसे निस्क्रिय कराया गया था। इसके बाद 20-30 फीट गहरे गड्ढे खुदवाकर गांव के बाहर बम और बारूद दबा दिए थे। अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी पंकज सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में बेहटा गांव का रहने वाला मो. नसीम और मो. याकूब उर्फ घपलू है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त पूर्वी शशांक सिंह ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। रविवार दोपहर दोनों को इंस्पेक्टर प्रभातेश और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर स्कार्पियो क्लब के पास से गिरफ्तार किया है। विस्फोट के बाद पुलिस ने गांव से अबतक करीब चार टन बारूद और 30 कुंतल पटाखे बरामद किए हैं। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि मो. नसीम और याकूब उर्फ घपलू दोनों बिना लाइसेंस के ही पटाखों का निर्माण और भंडारण कर रहे थे। भारी मात्रा में देशी पटाखे बनाकर बिक्री करते थे। हादसे के बाद दोनों ने बारूद और बम को ठिकाने लगाया इसके बाद फरार हो गए। फरारी के दौरान मोबाइल का प्रयोग नहीं कर रहे थे। इस लिए दोनों की लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही थी। मुखबिर तंत्र को सक्रिय गिया गया। इसके बाद दोनों को मुखबिर की सूचना पर दोपहर गिरफ्तार किया गया है।

बेहटा 31 अगस्त को हुए विस्फोट कांड में मलबे दबने और झुलसने आलम और उनकी पत्नी की उसी समय मौत हो गई थी। वहीं, बेटे इरशाद की गुरुवार को मौत हुई थी। शुक्रवार को नदीम की भी हो गई। पुलिस टीम ने फरार आरोपी टीनू को शुक्रवार को गिरफ्तार किया था।

राजस्थान सीएम के लिए वसुंधरा होनी चाहिए थीं भाजपा की पसंदः पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

अजमेर, एजेंसी। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बयानों को लेकर हाल के दिनों सुर्खियों में हैं। एकबार फिर उन्होंने अपने बयान से सियासी माहौल गरमा दिया है। उन्होंने रविवार को बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद अजमेर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राजस्थान का नेतृत्व करने के लिए वसुंधरा राजे भाजपा की स्वाभाविक पसंद होनी चाहिए थीं।

दरअसल, पत्रकारों ने अशोक गहलोत से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से जोधपुर में हुई मुलाकात के बारे में पूछा गया। अगर वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री के रूप में लौटतीं तो उन्हें दोबारा उस भूमिका में देखना सुखद होता। दुर्भाग्य से उनकी अपनी पार्टी उन्हें यह मौका नहीं दे रही है, जो निराशाजनक है।

अशोक गहलोत ने आगे कहा कि एक अनुभवी नेता होने के बावजूद वसुंधरा राजे को अलग-थलग कर दिया गया है। उन्हें मौका क्यों नहीं मिल रहा है? बीजेपी की स्वाभाविक पसंद वसुंधरा होनी चाहिए थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें समय दिया गया था, लेकिन दो साल बीत चुके हैं। हम चुप नहीं रह सकते हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जोधपुर दौरे पर अशोक गहलोत ने कहा कि यह गर्व की बात है कि भागवत ने जोधपुर को चुना। उम्मीद है कि इस शहर से प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का संदेश जाएगा। हालांकि, कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने काशी और मथुरा को लेकर चल रही चर्चा की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि ऐसे मुद्दे सांप्रदायिक तनाव भड़का सकते हैं।

गहलोत के वसुंधरा पर दिए बयान पर भाजपा ने पलटवार किया है। क्ष्छ्क प्रवक्ता लक्ष्मीनकांत भारद्वाज ने कहा कि गहलोत अपनी ही पार्टी के अंदर की चुनौतियों से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान देते हैं। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में बेहतरीन काम हो रहा है, जिससे गहलोत बेचैन हो रहे हैं।

पंजाब में भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या 48 हुई, अब डेंगू-हैजा जैसी बीमारियां फैलने का खतरा

जालंधर, एजेंसी। पंजाब में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, लेकिन इससे प्रभावित लोगों की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही रोग प्रकोप के बढ़ते खतरे को लेकर चेतावनी जारी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि त्वचा रोग, जलजनित और खाद्यजनित बीमारियों जैसे डेंगू, हैजा, टाइफाइड, दस्त और हेपेटाइटिस ए व ई के फैलने का खतरा है। स्वच्छ पेयजल की कमी, असुरक्षित भोजन, लंबे समय तक ठहरे हुए बाढ़ के पानी के संपर्क में रहना और स्वच्छता सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं हैं। इससे रोगों के तेजी से फैसले के जोखिम बढ़ जाते हैं। चेतावनी में कहा गया कि सामान्य जल स्रोत अब सुरक्षित नहीं हैं।

राज्य में भीषण बाढ़ के कारण दो और लोगों की मौत होने से मरने वालों की संख्या 48 तक पहुंच गई है, जबकि 1.76 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद हो गई हैं। शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 8 सितंबर से खुलेंगे। बाढ़ की वजह से बीते दिनों शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए थे। मंत्री ने कहा कि जिन स्कूलों या कॉलेजों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है, उनको बंद रखने पर निर्णय संबंधित उपायुक्त लेंगे। सरकारी स्कूलों में कक्षाएं 9 सितंबर से शुरू होंगी। अधिकारियों ने बताया कि पोंग बांध का जलस्तर करीब दो फुट घटकर 1,392.20 फुट दर्ज किया गया। हालांकि, यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1390 फुट से दो फुट अधिक है। शनिवार को यह जलस्तर 1394.19 फुट था। सूत्रों ने बताया कि सतलुज नदी पर बने भाखड़ा बांध का जलस्तर रविवार को 1677.98 फुट दर्ज किया गया, जबकि शनिवार को यह 1678.14 फुट था। बांध में पानी का प्रवाह 66891 क्यूसेक और निकासी 70000 क्यूसेक रही। राज्य सरकार ने 219 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 5400 से अधिक लोगों को शरण दी गई है। मुख्य सचिव ने बताया कि अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पठानकोट जिले में तीन लोग अब भी लापता हैं। पंजाब इस समय कई दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ आपदा का सामना कर रहा है। यह बाढ़ सतलुज, ब्यास व रावी नदियों में आए उफान और हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर में भारी वर्षा के कारण आई है। इसके अलावा, पंजाब में हाल की बारिश ने हालात को और बिगाड़ दिया है।

कीचड़-पानी देख युवक के कंधे पर चढ़ गए कांग्रेस सांसद तारिक अनवर, बाढ़ का लिया जायजा

कटिहार, एजेंसी। रविवार को कटिहार सांसद तारिक अनवर अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बरारी व मनिहारी विधानसभा के बाढ़ग्रस्त और कटावग्रस्त क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सांसद अपने समर्थकों के साथ नाव और ट्रैक्टर पर चढ़कर ग्रामीणों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। बाढ़ग्रस्त इलाकों के दौरे के दौरान सांसद तारिक अनवर कीचड़-पानी देखकर युवक के कंधे पर चढ़ गए। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है। दरअसल गंगा के जलस्तर में गिरावट होने के साथ ही कटिहार के धुरियाही पंचायत में कटाव तेज हो गया है। कटाव के बारे में ग्रामीणों से सूचना मिलने पर रविवार को सांसद तारिक अनवर धुरियाही पहुंचे। यहां शिवनगर और सोनाखाल का जायजा लेते समय जब कटाव स्थल के समीप पहुंचे तो रास्ते में कीचड़ और पानी दिखा। इसके बाद स्थानीय लोगों के कंधों पर चढ़कर सांसद तारिक अनवर ने कटाव क्षेत्र का जायजा लिया। कंधों पर बैठ कटाव क्षेत्र का जायजा लेने का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि सांसद एक व्यक्ति के कंधे पर बैठे हुए हैं।

व्यक्ति सांसद को पहले कीचड़ और फिर पानी से भरे रास्ते से लेकर जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग सांसद को पकड़े हुए हैं ताकि सांसद नीचे न गिर जाएं। इस मामले में सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कटाव क्षेत्र का जायजा लेने के लिए गये थे। रास्ते में कीचड़ और पानी आ गया। स्थानीय लोगों न् कहा कि कंधे पर कटाव स्थल तक ले जायेंगे। स्थानीय लोगों के अनुरोध को वह अस्वीकार नहीं कर सके और लोगों के कहने पर कंधे पर चढ़कर कटाव क्षेत्र का जायजा लिया। धुरियाही पंचायत में बाढ़ पूर्व भी कटाव हुआ था। बाढ़ का पानी अभी गांव से पूरी तरह नहीं निकला है। मगर सोनाखाल के समीप पानी घटते ही कटाव तेज हो गया है।

गणपति विसर्जन में भारी बवाल, कर्नाटक के मांड्या में 8 घायल, 21 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल की खबर है। गणपति विसर्जन के लिए निकाली जा रही शोभायात्रा में दो समुदाय के लोग मामूली सी बात हुए विवाद के बाद आपस में भिड़ गए। इसके बाद शोभायात्रा पर कथित तौर पर मस्जिद से पथराव किए जाने के आरोप हैं। इस पथराव में आठ लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा की इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दिया है। पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। हालात से निपटने के लिए पुलिस ने वहां अतिरिक्त बलों की भी तैनाती की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में रविवार को जब भगवान गणेश की प्रतिमा विसर्जन के लिए लोग ले जा रहे थे, तभी दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि दूसरे समुदाय के उपद्रवियों द्वारा कथित तौर पर शोभायात्रा पर कथित पथराव किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिससे व्यापक अशांति फैल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, झड़प उस समय शुरू हुई जब लोग राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन शोभायात्रा में हिस्सा ले रहे थे। दोनों समुदायों के युवकों के बीच झड़पें हुईं, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमने मद्दुर में अतिरिक्त बल तैनात किए हैं और निषेधाज्ञा लागू कर दी है ताकि तनाव न

बढ़े। बाद में पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच गणेश विसर्जन कराया। मद्दुर के संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया है और अफवाह फैलाने वालों या सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिला प्रशासन ने दोनों समुदायों से सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने की अपील की है।

गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, 41 कीलें और अन्य चीजें निकलीं

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में हैरान कर देने वाली एक घटना सामने आई है। डॉक्टरों ने सर्जरी करने के बाद एक गर्भवती गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, 41 कीलें, कपड़े और रस्सियां निकालीं। गाय ने पिछले चार-पांच दिनों से खाना-पीना बंद कर दिया था। हिमाचल प्रदेश के ऊना में एक सरकारी पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों ने एक गर्भवती गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक और 41 धातु की कीलें समेत अन्य चीजें निकाली हैं। यह जटिल सर्जरी शनिवार को बरनोह स्थित क्षेत्रीय पशु चिकित्सालय में अस्पताल प्रभारी डॉ. निशांत रनौत के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा की गई। गाय के पेट से निकली इतनी सारी चीजें देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। डॉ. रनौत ने कहा कि सर्जरी के बाद गाय के स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करने के लिए वेटनरी डॉक्टर सात दिनों तक उसकी निगरानी करेंगे।

गर्भवती गाय को कलरुही निवासी विपिन कुमार और अन्य स्थानीय लोग अस्पताल लाए थे। डॉ. रानौत ने बताया कि गाय ने पिछले चार-पांच दिनों से खाना-पीना बंद कर दिया था। शुरुआती जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट में अप्राकृतिक वस्तुएं होने का

संदेह हुआ। कई जांचें की गईं और सर्जरी करने का फैसला किया गया। उन्होंने बताया कि गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, कपड़े, रस्सियां और 41 कीलों समेत धातु के कई टुकड़े निकाले गए।

उन्होंने कहा कि अब तक इस पशु चिकित्सालय में बड़े डायाफ्रामिक हर्निया जैसी 53 जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। यहां हर प्रकार की पशु सर्जरी, रक्त जांच और अल्ट्रासाउंड जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह अस्पताल बड़े पशुओं के उपचार के लिए क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।

ऊना स्थित पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. वीरेंद्र पटियाल ने इस सफल ऑपरेशन के लिए डॉक्टरों की टीम को बधाई दी। साथ ही लोगों से प्लास्टिक कचरा, धातु की कीलें और अन्य सामग्री खुले में न फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को कचरे का उचित निपटान करना चाहिए ताकि पशुओं और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

12 सितंबर से शुरू होगी हिसार से जयपुर फ्लाइट, 2300 रुपये होगा किराया

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के हिसार के महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से जयपुर के लिए 12 सितंबर से फ्लाइट शुरू हो रही है। डीजीसीए ने शेड्यूल जारी कर दिया है और अलायंस एयर ने अपनी वेबसाइट पर टिकटों की बिक्री भी शुरू कर दी है। फ्लाइट हर शुक्रवार को सुबह 11:10 बजे जयपुर से उड़ान भरकर 12:10 बजे हिसार पहुंचेगी। शाम 5:35 बजे हिसार से उड़ान भरकर 6:40 बजे जयपुर पहुंचेगी। टैक्स सहित किराया लगभग 2300 रुपये होगा और सीट बुकिंग का चार्ज अलग से लगेगा। इस नई फ्लाइट का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सैनी करेंगे। फ्लाइट से राजस्थान और हरियाणा के यात्रियों को फायदा होगा। इससे पहले हिसार से दिल्ली, अयोध्या और चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट शुरू हो चुकी हैं। मार्ग से हिसार से जयपुर की सड़क दूरी 350 किलोमीटर है और साढ़े 5 घंटे का समय लगता है। ट्रेन से यह सफर और लंबा हो जाता है। ऐसे में हवाई यात्रा शुरू होने से सवा से डेढ़ घंटे में ही जयपुर का सफर पूरा हो सकेगा। जयपुर के यात्रियों को भी अयोध्या के लिए सीधी फ्लाइट मिल सकेगी जो वाया दिल्ली और हिसार होकर जाएगी। हिसार से हजारों लोग जयपुर में इलाज करवाने और बिजनेस कार्यों के लिए आते-जाते रहते हैं।

एनसीआर टुडे

गुलदार ने घर में घुसकर पालतू कुत्ते को बनाया निवाला, ग्रामीणों में दहशत

✷ एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷। किरतपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम मोचीपुरा में बीती रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब गुलदार ने स्व. तेजपाल चौधरी के घर में घुसकर पालतू कुत्ते पर हमला कर दिया। गुलदार कुत्ते को दबोचकर ले गया और उसे अपना निवाला बना लिया। यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण अब गुलदार व अन्य जंगली जानवर आबादी वाले इलाकों में घुसपैठ कर रहे हैं, जिससे इंसानों की जान को भी खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन व वन विभाग से मांग की है कि गुलदार को जल्द से जल्द पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

ए आई एम आई एम की बैठक आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। ऑल इंडिया मजलिस ए एतिहादुल मुस्लिमीन पार्टी की आयोजन इदरीश ठेकेदार के यहाँ किया गया। इदरीश ठेकेदार ने पार्टी की नीतियों पर विचार विमर्श किया गया तथा पार्टी को मजबूत बनाने के लिए जोर दिया गया। विधान सभा प्रभारी इदरीश ठेकेदार ने सर्व सहमति नगीना से नगीना कार्यकारणी का गठन किया गया। नई कार्यकारणी में मौ सैफ आलम को नगर सचिव के पद पर घोषित किया और नगर अध्यक्ष का पद मुंतशिर आयान को दिया गया। नगीना मोहल्ला चौधरीरियाना नगीना से अबरार भाई को नगीना नगर वार्ड सचिव के पद पर तथा अबरार भाई को नगीना विधानसभा अध्यक्ष घोषित किया गया। इदरीश ठेकेदार ने सभी साथियों को पार्टी की तरफ से बहुत-बहुत मुबारकबाद देते हुए सभी कार्यकर्ताओं से उम्मीद की हैं कि आप सब लोग एआईएमआई एम पार्टी को आगे बढ़ने का काम हिम्मत और मेहनत से करगें।

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में बारिश से खराब हुई फसलों के मुआवजे की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के बैनर तले किसानों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर किसानों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। पिछले दिनों हुई लगातार वर्षा के चलते मोहम्मदपुर आमद, मतौर, खिदौड़ा, झलावा, कुन्हैडा समेत तमाम गांवों में फसलों में पानी भर गया, जिसके चलते फसलें खराब हो गईं। किसान अब मुआवजे की मांग कर रहे हैं। सोमवार को भाकियू किसान सभा के बैनर तले किसान निवाड़ी में एकत्र हो गए और प्रदर्शन किया। अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की।

पुलिस ने विभिन्न अपराध नौ को जिलाबदर किया

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने नौ अभियुक्तों को जिलाबदर किया है। सभी अभियुक्त छह महीने तक कमिश्नरेट की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

पुलिस का कहना है कि समाज में भय पैदा करने वाले अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। एडिशन सीपी आलोक प्रियदर्शी की कोर्ट ने 15 अभियुक्तों के खिलाफ गुंडा अधिनियम के तहत जिला बदर की कार्रवाई की है। महिला संबंधी अपराध, हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा, लूट, डकैती, चोरी और पशु क्रूरता करने वाले अभियुक्तों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। जिलाबदर किए गए सभी आरोपियों को छह माह के लिए कमिश्नरेट की सीमा में न घुसने के लिए आदेशित किया गया है।

जिन अभियुक्तों को जिलाबदर किया गया है उनमें गोविंदपुरम एच-टू ब्लॉक निवासी नीरज कौशिक, नंदग्राम थानाक्षेत्र के नूरनगर सिहानी निवासी वंश शर्मा, नंदग्राम एफ-ब्लॉक निवासी रंजीत उर्फ भोला, लोनी थानाक्षेत्र के चौधरी चौक टीला मोहल्ला निवासी आफताब उर्फ गुड्डू, साहिबाबाद थानाक्षेत्र की संजय कॉलोनी अर्थला निवासी रहबर, मोदीनगर थानाक्षेत्र के निवाड़ी रोड स्थित डिफेंस कॉलोनी निवासी पंकज उर्फ पंकज चौधरी, इंदिरापुरम न्यायखंड-तीन निवासी राहुल कुमार गोली उर्फ गुज्जी, इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के न्यायखंड-प्रथम निवासी अकबर और मसूरी थानाक्षेत्र के गांव ढबारसी निवासी शहजाद छोलसिया शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि जिला बदर किए गए ज्यादातर अभियुक्तों के खिलाफ संगीन धाराओं के मामले दर्ज हैं।

पुलिस का दावा है कि कमिश्नरेट पुलिस वर्ष 2025 में अब तक 75 अभियुक्तों को जिला बदर कर चुकी है, जबकि 54 अभियुक्तों को थाने पर हाजिर देने के लिए आदेशित किया गया है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद ने सेवानिवृत्ति शिक्षकों को सम्मानित किया

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद नजीबाबाद के द्वारा वर्ष 2025 में सेवानिवृत्ति शिक्षकों को सम्मानित किया गया। रवा राजपूत धर्मशाला नजीबाबाद में आयोजित इस कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षक उपस्थित हुए।

ब्लॉक अध्यक्ष रोहताश सिंह व मंत्री बलवंत सिंह, जिला उपाध्यक्ष शशि रानी और जिला कार्यकारिणी समिति सदस्य मदन गोपाल टांक द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुवंरपाल सिंह संरक्षक ने की और संचालन मदन गोपाल टांक जिला कार्यकारिणी सदस्य द्वारा किया गया।

सेवा निवृत्त शिक्षक मदन गोपाल चौहान, ऋषिपाल फौजी और बृजरानी को सम्मानित किया गया। समारोह में दो टीचर उपस्थित नहीं हो सके। कार्यक्रम में हर प्रसाद शास्त्री जयप्रकाश शर्मा, हरिदत्त शर्मा, बाबूराम कोषाध्यक्ष ,सतपाल राजपूत आदि शिक्षकों ने अपने विचार रखें और संगठन की एकता पर बल दिया। नजीबाबाद ब्लॉक शिक्षकों का सम्मान समारोह प्रति वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर करता रहा है। सम्मान समारोह के अंत में दिवंगत सेवानिवृत शिक्षकों के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और कार्यक्रम का समापन हुआ।

संदिग्ध परिस्थितियों में नव विवाहिता की मौत, जहर से हत्या का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

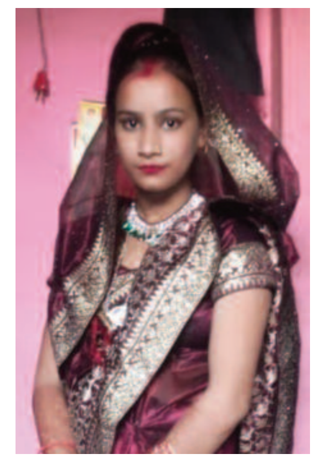

मायके से ससुराल आई विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव बेगराजपुर निवासी रोहित कुमार पुत्र योगेश कुमार की शादी 5 जून को मंडावली क्षेत्र के गांव रामपुर चिट्ठा निवासी पूजा (21) पुत्री धर्मवीर के साथ हुई थी। बताया जाता है कि तभी से दोनों के रिश्ते में खटास चल रही थी। परिजनों के अनुसार पूजा हरियाली तीज से पहले अपने मायके गई थी। तभी से वहीं पर थी।

बताया कि जाता है कि शुक्रवार को बेगराजपुर में रिश्तेदारों की बैठक हुई थी। जिसमें पूजा को भेजने की सहमति बन गई थी। शनिवार को उसका पति उसे लेने के लिए अपनी ससुराल गया था। रविवार दोपहर वह उसे वहां से ले आया था। ससुराल जनों के अनुसार घर आते ही उसकी तबियत बिगड़ गई। जिसे उन्होंने सीएचसी में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड दिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे मृतका के परिजनों पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया।

वहीं सूचना पर सीओ अभय कुमार पांडे, थानाध्यक्ष धीरज नागर, एसआई भारत सिंह आदि मौके पर पहुंचे। सीओ अभय कुमार पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ब्लाक परिसर में किसानों की बैठक आयोजित, पाँच सौ रुपए मांगा गन्ने का रेट

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

सोमवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के किसान कार्यकर्ताओं द्वारा ब्लॉक हल्दौर पर एकत्रित होकर किसानों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।

तदोपरांत एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई। जिसके माध्यम से अवगत कराया गया कि आगामी गन्ना सत्र शुरू होने से पहले गन्ने का मूल्य 500 प्रति कुंतल किया जाए तथा अक्टूबर में शुगर मिले चालू हो।

बजाज शुगर मिल बिलाई द्वारा किसानों का बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र किया जाए। जिले में गुलदारों की समस्या से निजात दिलाई जाए।, आवारा पशुओं को पकड़वाया जाए, विद्युत विभाग द्वारा गलत बिलों को सही कराया जाए। जर्जर तारों को बदलवाया जाए, प्राइवेट विद्यालय में सरकारी विद्यालयों की फीस एक जैसी हो आदि मांगे की गई।

तत्पश्चात सभी किसान कार्यकर्ता अपने-अपने गंतव्य को चले गए। बैठक में राकेश कुमार कोषाध्यक्ष, सुजान सिंह ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह रामपाल सिंह शोभाराम सिंह आदि दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

पाडली मांडू की बिजली समस्या को लेकर भाकियू का धरना दूसरे दिन जारी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

जनपद के ग्राम पाडली मांडू की बिजली लाइन की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन के युवा जिला अध्यक्ष चौधरी आकाश डबास ने रविवार शाम 5 बजे से अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड नूरपुर कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। सोमवार को धरना दूसरे दिन भी जारी रहा।

चौधरी आकाश डबास ने बताया कि उनके गाँव की बिजली लाइन वर्तमान में लगभग 30–35 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर आती है। जबकि इसे महज़ 2.5 से 3 किलोमीटर में जोड़ा जा सकता है। इस विषय में वे कई बार संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने चेतावनी दी है कि जब तक बिजली लाइन को सही ढंग से नहीं जोड़ा जाता। तब तक यह धरना जारी रहेगा। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गंगा का कहर, रावली बैराज के पास तटबंध टूटने की कगार पर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

गंगा नदी का जलश्तर लगातार बढ़ने से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। रावली बैराज के पास स्थित एप्रोच तटबंध पर गंगा का तेज बहाव खतरा बनकर मंडरा रहा है।

तेज धार से तटबंध और उस पर बनी पक्की सड़क का हिस्सा बहाव में बह चुका है। रविवार सुबह से अपलेक्स बांध के करीब 6 किलोमीटर क्षेत्र में तेज कटान शुरू हो गया। तटबंध टूटने की स्थिति में आसपास के दर्जनों गाँव और हजारों हेक्टेयर जंगल व खेती-बाड़ी जलमग्न होने की आशंका है।

स्थिति को संभालने के लिए सिंचाई विभाग और प्रशासन ने तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया है। तटबंध को बचाने के लिए पेड़ों को काटकर और भारी-भरकम पत्थरों को जेसीबी व पोकलेन मशीनों की मदद से गंगा की धारा में डाला जा रहा है। सैकड़ों मजदूर, अधिकारी और ग्रामीण लगातार मौके पर डटे हुए हैं।

इसके बावजूद 24 घंटे बाद भी तटबंध को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया जा सका है।सोमवार को सिंचाई विभाग के चीफ एम. बंसल समेत कई अधिकारी तटबंध किनारे पहुंचे और हालात का जायज़ा लिया।

उन्होंने बताया कि तटबंध को बचाने के लिए वायर क्रेट, बोल्डर क्रेट, गेट बोल्डर और पेड़ों को काटकर डाला जा रहा है ताकि कटान पर रोक लगाई जा सके। विभाग की टीम दिन-रात लगातार काम कर रही है।

अगर तटबंध टूटता है तो दर्जनों गाँवों में पानी घुस सकता है और हजारों हेक्टेयर जमीन जलमग्न हो सकती है। हालात पर काबू पाने के लिए प्रशासन ने सभी संभव उपाय शुरू कर दिए हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही कटान पर रोक लगाई जा सकेगी।

डॉ. मनोज कटारिया ने किया जाहरवीर देवता मेले में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय फीना के तत्वावधान में श्री जाहरवीर देवता के मेले में लगी आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मनोज कटारिया ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर शुभारंभ किया।

शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में चांदपुर सेवा केन्द्र संचालिका राजयोगिनी बी० के० साधना दीदी, फीना सेवा केन्द्र संचालिका बी. के. पूजा दीदी, पूर्व प्रधान यशपाल भाई, ब्रह्मा कुमार महावीर भाई, सुनील भाई एवं ओमवीर भाई विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर में आत्मज्ञान, सकारात्मक जीवनशैली और राजयोग की महत्ता को दर्शाने वाले चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। जिसकी अतिथियों ने सराहना करते हुए कहा कि यह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ० मनोज कटारिया ने जनमानस से परमपिता शिव के आलौकिक रुप को जानने एवं जीवन सफल बनाने के लिए अपना ध्यान केन्द्रित करने का आहवान किया। उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने की अपील करते हुए कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान से ही जीवन में सच्ची शांति और सुख संभव हैं।

जमीयत उलेमा ए हिंद शाखा नहटौर ने भी पंजाब बाढ़ पीड़ितों को भेजी राहत सामग्री

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

जमीयत उलेमा ए हिंद शाखा नहटौर की ओर से पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री भेजी गई। बाढ़ पीड़ितों के लिए जरूरतमंद सामान की गाड़ी को लोगों ने रवाना किया। इस मौके पर पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील की गई।

प्राप्त समाचार के अनुसार नहटौर के एजेंसी चौराहे पर जमीयत उलेमा हिंद के बैनर तले समाजसेवी एकत्रित हुए। इस मौके पर हाजी अब्दुल कादिर ने कहा कि हिंदुस्तान एक पेड है और हम सभी इसकी शाखाएं हैं। यदि किसी एक को दर्द होता है। तो हमारा फर्ज है उसके दुख में शामिल होकर उसकी मदद करें। पंजाब में बाढ़ आने से हजारों की संख्या में लोग बेघर हो गए हैं और उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हम सभी का फर्ज है कि उनकी मदद की जाए। नहटौर क्षेत्र से पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए लगातार राहत सामग्री भेजी जा रही है। इसी के तहत रविवार को एजेंसी चौराहे से 500 गद्दे और 1000 मच्छरदानी के अलावा अन्य सामग्री को लेकर एक ट्रक पंजाब के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के अधिक से अधिक सामग्री भेजने के लिए अपील भी की गई। इस मौके पर मौलाना नफीस, पूर्व सभासद खुर्शीद आलम अंसारी, फारूक फौजी, रईस अहमद, अबरार अंसारी, असलम सैफी, अशरफ, मौहम्मद यूसुफ, अकरम अंसारी, हाजी राशिद, जाहिद अहमद, वसीम कुरैशी,

अलग-अलग हादसों मे तीन लोग घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुए दो हादसों में तीन लोग घायल हो गए। एक मामले में थाना टीला मोड़ और दूसरे में शालीमार गार्डन थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शालीमार गार्डन एक्सटेंशन एक निवासी रजत स्पाल ने बताया कि उनके पिता चरनजीत छह सितंबर को अपने पोते को ट्यूशन छोड़कर आ रहे थे। शाम सवा चार बजे तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी, जिसमें चरनजीत को गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि चालक शराब के नशे में कार चला रहा था। चालक के भागने के बाद लोगों ने घायल को पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया। उधर दूसरा हादसा टीला मोड़ थानाक्षेत्र में हुआ। फर्रुखनगर निवासी शाबिर ने बताया कि उनका बेटा शहजाद एक सितंबर की रात ऑटो लेकर घर लौट रहा था।

विषय वासनाओं की साकार मूर्ति ही धुंधली है,ओर धुंधली के गर्भ से ही धुंधूकारी पैदा होता है : संघर्षी

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

निकटवर्ती ग्राम टपरौला में श्री राधा कृष्ण प्रचार समिति के तत्वावधान मे आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर प्रवचन करते हुए कथा प्रवक्ता महंत-पं. रविन्द्र भारद्वाज संघर्षी जी महाराज ने कहा कि शरीर तुंगभद्रा नदी समान है, आत्मदेव, आत्मा स्वरूप है।

सांसारिक विषय वासना धुंधली है, ज्ञान ही गौकर्ण है, और वासना से जन्मा निरंकुश मन ही धुंधकारी है। आत्मा को ज्ञान सदैव सुख देता है, जबकि अज्ञान सदैव दुःखों का कारण होता है।

श्री महाराज जी ने कहा कि कलिकाल के रहने वाले ये चार स्थान है। जैसे हिंसा, वैश्यालय, मदिरालय, द्रुत कीड़ा (जुआ घर)जो व्यक्ति इन मे से किसी भी स्थान पर चला जाता है, आज भी उसका पतन निश्चित है।

राजा परीक्षित द्वारा कलि को पांचवां स्थान स्वर्ण में दिया गया। जिसको प्राप्त करके साधारण मानव भी स्वर्ण लंकापति रावण की भांति अभिमानी हो जाता है। हम कौन हैं, कहां से आये है, और बाद में हमे जाना कहां है, ये कभी हम सोचते ही नहीं, ये ही भगवान जी की विश्व मोहनी माया है। धुंधकारी के मोक्ष की कथा को बड़े ही मार्मिक ढंग से रसपान कराया।

कथा में श्री शुकदेव जन्म, राजा परीक्षित जन्म, समीक ऋषि के पुत्र श्रृंगी ऋषि द्वारा राजा परिक्षित को सातवें दिवस सर्पराज तक्षक द्वारा राजा परीक्षित को डसने वाले श्राप को श्री कथा व्यास जी ने बड़े ही मार्मिक ढंग से श्रवण कराया।जिसे श्रृवण कर सभी भक्त आत्मविभोर हो गये।

कथा मे मुख्य आचार्य पंडित अंकित भारद्वाज जी निवासी ग्राम कुतुबपुर गढ़ी रहे। उनके सहयोगी रोहित भारद्वाज जी सम्भल निवासी रहे। द्वितीय दिवस के मुख्य यजमान अंकित चौहान व केशव चौहान रहे।

जिन्होने परीक्षित के रूप में भूमिका निभा रहे विनोद चौहान के साथ-साथ सपरिवार पुजा आरती की। कार्यक्रम मे मदन सिंह, लोकेंद्र, कोमल, शंकर, सौरभ, हिमांशु, हिमेंद्र प्रजापति, नरेंद्र सिंह, अभय प्रताप, आशू, निशांत, गौरव, राजेश शर्मा, सचिन, कृपाल, सुरेंद्र, सिंह, संचित, आशू, मनोरमा, आवेश, नेहा, आशी, उर्मि, भावना, शिल्पी, गौरी, सुनिता, हिमानी खेडवाल, ललिता, आकांक्षा, उदिता, प्रीति, सोनी, नूतन, गीता आदि भारी संख्या मे भक्तगण उपस्थित रहे।

गवाह की मौत : नजारत घोटाले की सुनवाई टली

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सीबीआई अदालत में चले रहे नजारत पीएफ घोटाले में सोमवार को सुनवाई नहीं सकी। मामले के गवाह विवेक चौधरी की गवाही होनी थी लेकिन अदालत में उसकी मृत्यु होने सूचना प्राप्त हुई। इस कारण अदालत में मामले में अगली सुनवाई के लिए 9 सितंबर की तारीख लगाई है।

नजारत घोटाला का खुलासा विशेष सीबीआई कोर्ट की तत्कालीन जज रमा जैन ने 16 फरवरी 2008 को किया था। उन्होंने स्वयं वादी बनकर नाजिर आशुतोष अस्थाना सहित 68 लोगों के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कुछ दिन बाद पुलिस ने अस्थाना को गिरफ्तार कर लिया था। अस्थाना ने अपने बयान में कुछ जजों के नाम लिए थे।

इसके बाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नाहर सिंह यादव ने मामले जांच सीबीआई से कराए जाने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दी। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच के लिए सीबीआई को आदेश दिए। वहीं सीबीआई ने जांच में पूर्व छह न्यायाधीश सहित 71 लोगों को आरोपी बनाया था।

बाल सदन मोंटेसरी स्कूल नजीबाबाद की शिक्षिकाएं सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

लायंस इंटरनेशनल क्लब की ओर से शिक्षक दिवस के संदर्भ में नगर के प्रथम मांटेसरी शिक्षा पद्धति के स्कूल बाल सदन मोंटेसरी स्कूल नजीबाबाद की समर्पित शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

रिलायंस इंटरनेशनल जिला 321-C1 के अध्यक्ष रूचिन सिंघल, प्रोजेक्ट चेयरमैन सुभाष अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल व अन्य सदस्यों ने बाल साजन मोंटेसरी स्कूल की समर्पित शिक्षिकाएं प्रधान अध्यापिका किरण बाला, मैडम अंजना, मैडम पूजा शर्मा, मैडम कंचन शर्मा, मैडम अंशु शर्मा, दुर्गा भारद्वाज, आकांक्षा अग्रवाल और प्रतिभा राजपूत को शिक्षा के प्रति समर्पित सेवाओं के लिए सर्टिफिकेट और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया

इस अवसर पर लायंस इंटरनेशनल के नजीबाबाद इकाई के अध्यक्ष रूचिन सिंघल ने अपने संबोधन में कहा की शिक्षक वर्ग बच्चों को शिक्षित करके उन्हें समाज के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास कर रही हैं।

इसके अतिरिक्त शिक्षिकाएं विषम परिस्थितियों में भी कार्य करने में सक्षम है। वर्तमान चुनौतियों की परवाह नहीं करते हुए समाज को शिक्षित करने का कार्य कर रही है ।

प्रधानाचार्य किरण बाला ने कहा कि शिक्षिकाएं अपनी मेहनत,लगन और समर्पण के भाव से समाज को न सिर्फ आदर्श नागरिक देने का प्रयास करती हैं बल्कि समाज को नई दशा और दिशा भी देने का कार्य करती हैं ।

स्कूल प्रबंधक डॉक्टर एस के जौहर ने लायंस इंटरनेशनल क्लब से आए सभी पदाधिकारी और सदस्यों का आभार प्रकट किया ।

संपूर्ण समाधान दिवस एसडीएम ने सुनी जनशिकायत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

तहसील सभागार में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका जल्द से जल्द निश्तारण किये जाने के दिशा निर्देश दिये। शनिवार की जगह सोमवार को आयोजित हुए संपूर्ण समाधान दिवस की जानकारी ना होने के अभाव में शिकायतकर्ता कम पहुंचे।

प्राप्त विवरण के अनुसार शनिवार की जगह सोमवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर एसडीएम नितिन कुमार और तहसीलदार अमरपाल सिंह बीडीओ ज्योति चौधरी ने पीड़ित लोगों की फरियाद सुनी।

संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, भूमि विवाद राशन कार्ड, विद्युत विभाग आदि से संबंधित 15 शिकायतें मुख्य रूप से प्राप्त हुई।

जिसमें से किसी भी शिकायत का मौके पर निश्तारण नहीं हो पाया। एसडीएम नितिन कुमार द्वारा समश्त अधिकारी कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आने वाली सभी शिकायतों का मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर एवं समयावधि में गुणवत्तापूर्ण निश्तारण करें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम नितिन कुमार, तहसीलदार अमरपाल सिंह, बीडीओ कोतवाली ज्योति चौधरी, नायब तहसीलदार अजब सिंह राणा, नायब तहसीलदार श्याम सुंदर बैस, एसडीओ विद्युत रामकेश, नपा से मुनीर आलम, नरेश कुमार सहित राजस्व और पुलिस विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 22481/22482 जोधपुर–दिल्ली सराय रोहिल्ला–जोधपुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन) को **बड़ी खाटू** स्टेशन पर दिनांक 10.09.2025 से ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 22481/22482 जोधपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला-जोधपुर (प्रतिदिन) एक्सप्रेस का बड़ी खाटू स्टेशन पर अतिक्ति ठहराव

रेलगाड़ी सं. 22481		स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 22482	
आगमन	प्रस्थान	↓ ↑	आगमन	प्रस्थान
20:26	20:29	डेगना जं.	07:01	07:04
20:44	**20:46**	बड़ी खाटू	**06:44**	**06:46**
20:52	20:54	छोटी खाटू	06:36	06:38

रेलयात्रियो से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

2723/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

GST से राहत और आर्थिक रफ्तार

हाल ही में 3 सितंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में महंगाई से आम आदमी को राहत देने, ट्रंप टैरिफ से जूझ रहे उद्योग-कारोबार को गति देने और देश की आर्थिक रफ्तार बढ़ाने के मद्देनजर जीएसटी ढांचे और जीएसटी दरों में आमूल सुधार करने के लिए प्रभावी निर्णय लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दिवाली से पहले उपहार के रूप में जीएसटी के नए राहतकारी सुधारों का ऐलान किया गया था। अब जीएसटी परिषद ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर मुहर लगा दी है।

इस अहम कर सुधार पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के फैसलों से आम जनता, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा। यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। ये व्यापक सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाएंगे और खास तौर से छोटे व्यापारियों और कारोबारों के लिए व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करेंगे। खास बात यह है कि जीएसटी की नई दर व्यवस्था 22 सितंबर, नवरात्र के पहले दिन से लागू होगी। जीएसटी सुधारों का देश के शेयर बाजार ने स्वागत किया है। गौरतलब है कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में लागू जीएसटी पर जीएसटी परिषद ने विगत वर्षों में व्यापक मूल्यांकन और विश्लेषण के बाद जीएसटी में सरलता और नए जीएसटी ढांचे के रोडमैप को मंजूरी दी है। जीएसटी परिषद ने मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-श्तरीय जीएसटी को मंजूरी दी है।

हालांकि अहितकर वश्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वश्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू होगा। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एकए स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वश्तुएं सश्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि जीएसटी दरों में नए बदलाव से वर्तमान में 12 फीसदी जीएसटी वाली लगभग 99 फीसदी वश्तुएं अब पांच फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। जबकि 28 फीसदी टैक्स वाली लगभग 90 फीसदी वश्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी।

इसके अलावा रोटी, परांठे, कैंसर समेत 33 जीवन रक्षक दवाओं पर अब जीएसटी नहीं लगेगा। लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस पूरी तरह से जीएसटी मुक्त हो गए हैं। अभी इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। सभी ऑटो पाट्र्स पर जीएसटी 18 फीसदी होगा। सीमेंट और तिपहिया वाहनों पर यह अब 28 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो गया है। इससे अब घर बनाना भी सश्ता हो जाएगा। निश्चित रूप से नए बदलाव से आम आदमी से लेकर किसान और छोटे उद्योगों के इश्तेमाल में आने वाली सैकड़ों वश्तुएं सश्ती हो जाएंगी। निश्चित रूप से जीएसटी की दरों के नए बदलाव के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में राज्यों की आमदनी बढऩे की संभावना है। एसबीआई रिसर्च की जीएसटी 2.0 रिपोर्ट के मुताबिक, एसजीएसटी और केंद्र से ट्रांसफर होने वाली रकम के जरिए राज्यों को लगभग 14 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं। जीएसटी में मिलने वाले रेवेन्यू का आधा हिस्सा सीधे केंद्र सरकार और आधा हिस्सा राज्यों को मिलता है।

इसके अलावा, केंद्र के हिस्से का लगभग 41 फीसदी भी राज्यों को वापस मिलता है। अगर नई जीएसटी दरों से खपत बढ़ती है, तो अतिरिक्त 52000 करोड़ रुपए का फायदा भी होगा, जिसमें से 26000 करोड़ केंद्र को और 26000 करोड़ राज्यों को मिलेगा। इसका मतलब है कि नए वित्तीय वर्ष में भी राज्यों की आमदनी मजबूत रहेगी। जीएसटी का सिस्टम ऐसा है कि राज्यों की आमदनी थोड़े समय के लिए कम होने पर भी उन्हें नुकसान नहीं होता। चाहे जीएसटी दरें बदलें या मुआवजा शुल्क बंद हो जाए, राज्यों के पैसे सुरक्षित रहते हैं। संविधान की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि कर सुधार के दौरान भी राज्यों के खजाने और हित सुरक्षित रहें।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 और 2019 में जब जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया था, तो शुरू में राजस्व में थोड़ी गिरावट (3-4 फीसदी) आई। लेकिन कुछ ही महीनों में राजस्व फिर से बढ़ने लगा। इसका मतलब है कि दरों में बदलाव केवल थोड़े समय के लिए असर डालता है, बल्कि लंबे समय में जीएसटी सिस्टम को सरल और असरदार बनाता है। इससे व्यवसायों पर टैक्स भरने का बोझ कम होता है और सरकार को ज्यादा टैक्स मिल पाता है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी। मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़ने से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 47000 करोड़ रुपए के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी।

निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढग़ी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं, जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी।

मांग व उत्पादन बढऩे से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। वैश्विक श्तर पर भारत की ईज ऑफ डूइंग रैंकिंग भी सुधरेगी। इस परिप्रेक्ष्य में वैश्विक साख निर्धारण करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने कहा कि निश्चित रूप से भारत में पिछले 5-6 वर्षों के दौरान जीएसटी सुधार बहुत सफल साबित हुए हैं।

बेहूदे विकास से उपजे भूकंप

डॉ. ओ.पी. जोशी

खगोलशास्त्रियों एवं भौतिकविदों के अनुसार पृथ्वी का 'गुरूत्वाकर्षण बल' कुछ कम होता जा रहा है। इसे धरती का बूढ़ा होना माना गया है। बूढ़ी, कमजोर धरती ज्यादा कंपकंपा रही है, जो भूकंप के रूप में प्रकट होता है। गुरूत्वाकर्षण बल कम क्यों हो रहा है, यह अभी ज्यादा स्पष्ट नहीं है।

जुलाई में रूस के सुदूर पूर्वी कामचटका क्षेत्र में 8.7 तीव्रता का भूकंप आया था जिसे अभी तक का पांचवा बड़ा भूकंप बताया गया है। विश्व के लगभग 12 देशों में इसके झटके आये, परंतु रूस व जापान में सर्वाधिक 200 झटके महसूस किए गए।

इस वर्ष के सात माह में 20 से ज्यादा देशों में अलग-अलग तीव्रता के भूकंप दर्ज किये गए हैं। पाकिस्तान में तीन बार, दिल्ली 'एनसीआर' (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) एवं बैतूल (म.प्र.) में दो बार भूकंप हुआ।

वैसे तो भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है, परंतु मनुष्य द्वारा विकास के नाम पर किये गए कारनामों से इसकी आवृत्ति बढ़ी है। वैज्ञानिक आधार पर अभी तक यह सिद्धान्त मान्य है कि पृथ्वी का भू-भाग बारह भारी पट्टी समान रचनाओं (टेक्टोनिक प्लेट्स) पर टिका है, जो एक तरल पदार्थ (लावा) पर तैरती रहती है। तैरते-तैरते इनके टकराने से ऊर्जा निकलती है, जिससे भूकंप होता है।

भूकंप के इस सर्वमान्य सिद्धान्त के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में किये गए अध्ययनों से भूकंप के कारणों के संबंध में कुछ नई अवधारणाएं/परिकल्पनाएं सामने आयी हैं। ये अवधारणाएं कोई सिद्धांत तो नहीं हैं, परंतु इन पर ध्यान देना जरूरी लगता है। इन अवधारणाओं में धरती का बूढ़ाना, दर्द-तरंगों का निर्माण, बड़े बांध, ग्लेशियर्स का पिघलना, परमाणु विस्फोट व बमबारी, भूजल, तेल का ज्यादा दोहन एवं उपग्रह संचार प्रणाली आदि प्रमुख हैं।

खगोलशास्त्रियों एवं भौतिकविदों के अनुसार पृथ्वी का 'गुरूत्वाकर्षण बल' कुछ कम होता जा रहा है। इसे धरती का बूढ़ा होना माना गया है। बूढ़ी, कमजोर धरती ज्यादा कंपकंपा रही है, जो भूकंप के रूप में प्रकट होता है। गुरूत्वाकर्षण बल कम क्यों हो रहा है, यह अभी ज्यादा स्पष्ट नहीं है।

'एटियोलॉजी ऑफ अर्थक्वेक -ए न्यू एप्रोच' नामक किताब (लेखक एमएम बजाज, एमएमएम इब्राहिम और विजयराज सिंह) में यह बताया गया है कि कत्ल के कगार पर खड़े जानवरों द्वारा उत्पन्न शोर, तनाव व भय से एक प्रकार की 'दर्द-तरंगें' पैदा होती हैं, जो भूकंप पैदा करने में सहायक हो सकती हैं। लेखकों ने कई सबूतों के आधार पर यह बताने का प्रयास किया है कि पशुओं के संहार के साथ भूकंप के कारण को जोड़ना संभव है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक एलबर्ट आईंस्टीन ने भी भू-विज्ञान के क्षेत्र में 'आईंस्टीयन पेन-वेव्ज' (ईपीडब्ल्यू) की चर्चा की है, हालांकि ज्यादातर वैज्ञानिक इससे सहमत नहीं हैं।

डेढ सौ मीटर से ऊंचे बड़े बांधों से भूकम्पनीयता बढ़ने के कई अध्ययन किये गए हैं। बांध क्षेत्र में बांध स्वयं की सीमेन्ट, कांक्रीट व लोहे की भारी-भरकम रचना तथा जलाशय, दोनों मिलकर उस क्षेत्र में बहुत अधिक भार बढ़ा देते हैं। बांध की रचना का भार तो वही रहता है, परंतु जलाशय में पानी का वजन

घटता-बढ़ता रहता है।

पानी भूमि में चट्टानों की दरारों से होकर काफी गहराई में पहुंचकर वहां कुछ हलचल पैदा करता है। अमेरिकी वैज्ञानिक ने सर्वप्रथम 1935 में कोलोराडो नदी पर बने हूवर-बांध के बड़े जलाशय में भरे पानी के भार को बताया था। केरिबा (द.अफ्रीका), क्रेमास्ता (यूनान) तथा कोयना (भारत) में आये भूकम्प में बांध-जनित बताये गये हैं।

जापान के वैज्ञानिकों ने लम्बे समय तक भूकम्पों का अध्ययन कर यह बताया कि ग्लोबल-वार्मिंग के प्रभाव से ग्लेशियर्स की बर्फ पिघलने से भूकम्प आ सकते हैं। पृथ्वी पर सही संतुलन बनाये रखने हेतु ग्लेशियर्स जैसे बने थे, उनका उसी अवस्था में बने रहना जरूरी है। ग्लेशियर्स पर कम बर्फ की मात्रा पृथ्वी की प्लेटों पर पड़ रहे भार को बदलती है जिसको समायोजित करने हेतु भू-गर्भीय प्रक्रिया भूकम्प के रूप में प्रकट होती है।

यह अध्ययन भूकम्प की 'समास्थिति अवधारणा' से मेल खाता है। इसके अनुसार भूतल के पर्वत और समुद्र के धरातल एक-दूसरे को तराजू की तरह संतुलित रखते हैं। 8 अक्टूबर 2005 को पाकिस्तान तथा उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में आये भूकम्प का कारण ग्लेशियर्स पिघलने से जोड़ा गया था।

कुछ भूकम्पों को परमाणु विस्फोट एवं बमबारी से भी जोड़कर देखा गया है। वर्ष 1976 में ताशकंद (रूस) में आये भूकम्प का सम्भावित कारण कुछ सप्ताह पहले किये गये दो परमाणु विस्फोट बताये गए थे। गुजरात में आये भूकम्प की वजह भी कच्छ के रण के उस पार पाकिश्तान द्वारा परमाणु विस्फोट बतायी गयी थी। 'लास-अल्मोस नेशनल लैब' (अमेरिका) के भूकम्पविदों का दावा है कि कुछ भूकम्पों का कारण गुपचुप तरीके से किए गए परमाणु परीक्षण भी हो सकते हैं। रूस की एक एजेंसी ने मार्च 2012 में उत्तरी अफगानिस्तान के दाहानी-जोया स्थान में 7.2 तीव्रता के भूकम्प का कारण अमेरिकी बमबारी बताया था।

कुछ स्थानों पर जब भूजल एवं तेल का ज्यादा दोहन किया गया तो भूकम्पनीयता बढ़ने की सम्भावना बतायी गयी। भूजल व तेल के ज्यादा दोहन से धरती के अंदर निर्वात (वेक्यूम) बन जाता है, जिसे भरने के लिए चट्टानों में हलचल होती है एवं कंपन पैदा होता है। 'राष्ट्रीय भू-भौतिकी अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद' तथा राजस्थान के भूगर्भशास्त्री प्रो. एके सिन्हा ज्यादा भूजल दोहन को भूकम्प का कारण मानते हैं। 'राष्ट्रीय भूकम्प विज्ञान केन्द्र' ने दिल्ली 'एनसीआर' में बढ़ती भूकम्पनीयता के जो कारण बताए हैं उनमें यमुना का सूखना, जलस्रोतों की समाप्ति तथा ज्यादा भूजल दोहन प्रमुख हैं।

मई 1995 में रूस के शहर नेफ्तेगोर्क में आए भूकम्प का कारण तेल के ज्यादा दोहन को माना गया था। दुनिया में बढ़ती संचार सुविधा के लिए कई उपग्रह कार्यरत हैं। इन उपग्रहों से प्रसारण के लिए धरती पर पहुंचने वाली विद्युत-चुम्बकीय तरंगें भी भूकम्पनीयता बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं। केलिफोर्निया में बढ़ते भूकम्पों का एक संभावित कारण संचार उपग्रहों का बढ़ना भी बताया गया है। यह तो निश्चित है कि भूकम्प का आना एक प्राकृतिक आपदा है, परंतु विकास के नाम पर किये गये कार्यों के प्रभाव से इनकी संख्या बढ़ने की सम्भावना को एकदम नकारा नहीं जा सकता।

बेटियों को शिक्षा दिलाइए, वे अपनी दुनिया संवार लेंगी

चंद्रकांत सिंह

किसी मुल्क का सर्वश्रेष्ठ निवेश क्या है? बकौल विश्व बैंक, लड़कियों की शिक्षा में किया जाने वाला उसका निवेश! क्यों? क्योंकि दुनिया के दिग्गज अर्थशास्त्रियों और रणनीतिकारों ने जो 17 सतत विकास लक्ष्य तय किए हैं, उनमें से नौ पर इसका सीधा व सकारात्मक असर पड़ता है।

वैसे, इन लक्ष्यों के तय होने से भी बहुत पहले से हमारे समाज में कहा जाता रहा है कि जिस परिवार की औरतें सुशिक्षित होती हैं, उनको तरक्की करने से कोई रोक नहीं सकता। विडंबना यह है कि तथाकथित विकसित मुल्कों और तरक्कीपसंद खानदानों में भी भेदभाव की पहली शिकार औरतें व बेटियां ही होती हैं। ऐसे में, सफीना हुसैन जो कुछ कर रही हैं, वह श्रेष्ठतम देशसेवा है।

आज से करीब 54 साल पहले दिल्ली में पैदा हुईं सफीना की जिंदगी आम हिन्दुश्तानी लड़कियों से बिल्कुल मुख्तलिफ थी, क्योंकि उनकी मां का नाम उषा और पिता का यूसुफ हुसैन है। दरअसल, उषा और यूसुफ लखनऊ में यूनिवर्सिटी की पढ़ाई के दिनों में मिले। उनमें प्यार हुआ और वे शादी करके एक हो गए। सोचिए, 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े भारतीय समाजों को जब अंतरजातीय विवाह भी गवारा नहीं, तो साढ़े पांच दशक पहले के हिन्दुश्तान में अंतरधार्मिक विवाह के लिए कैसे हालात रहे होंगे। एक तरफ, तिवारी, त्रिपाठी और त्रिवेदी उपनामों वाला खानदान था, तो दूसरी तरफ, हसन, हुसैन, असगरी और जाफरी का कुनबा। कहां, वे इस दंपति को कुबूल कर पाते?

लिहाजा, उषा और यूसुफ को दिल्ली के एक जनता फ्लैट में पनाह मिली। वहीं सफीना पैदा हुईं। जाहिर है, ऐसी मिश्र पृष्ठभूमि के बच्चे उन दिनों बहुत कम थे, इसलिए सफीना का बचपन पड़ोस की फुसफुसाहटों और तंज-तानों के बीच गुजरा। सामाजिक-पारिवारिक लानत-मलामत ने माता-पिता के आपसी रिश्ते को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया था। उनके बीच बढ़ता तनाव विलगाव की हद तक चला गया। इन सबका बुरा असर सफीना पर पड़ना ही था। 12वीं के बाद उन्हें पढ़ाई छोड़नी पड़ी। वह आगे पढ़ना चाहती थीं, मगर हालात इसकी इजाजत नहीं दे रहे थे। 12वीं पास किए तीन साल बीत चुके थे। जो भी देखता, वह यही कहता कि शादी करके इसे विदा करो, अब क्या बाकी है इसके लिए?

मगर बुआ माहे हसन अलग थीं। वह सफीना के माता-पिता, दोनों की बेहद करीबी भी थीं। एक दिन उन्होंने परिवार से कहा, इस बच्ची ने बहुत कुछ सहा है, इसको मुझे दे दो। सफीना की जिंदगी में वह ऐसा पल था, मानो वह डूबती जा रही थीं और किसी फरिश्ते ने उन्हें अपनी उंगली थमा दी हो। बुआ के साथ सफीना लंदन चली आईं।

वहां न सिर्फ बुआ का पूरा साथ मिला, बल्कि आगे पढ़ने की सहूलियतें भी मिलीं। उनकी बदौलत सफीना को प्रतिष्ठित 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' में दाखिला मिल गया। एलएसई से अर्थशास्त्र में स्नातक करने के बाद एक नई सफीना बाहर निकली थीं-आत्मविश्वास से भरपूर।

सिलिकॉन वैली के एक स्टार्टअप से नौकरी का प्रश्तताव मिलते ही वह अमेरिका चली गईं। कई महीने बीत गए थे, मगर सफीना को अपने काम से संतोष नहीं मिल पा रहा था। किसी ने उन्हें एक स्थानीय गैर-लाभकारी संस्था के बारे में बताया। सप्ताह में एक दिन वह वहां स्वयंसेवा करने लगीं।

उन्हें अब अपनी जिंदगी के मायने समझ में आने लगे थे। करीब नौ महीने बाद स्टार्टअप कंपनी से इश्तीफा देकर वह सैन फ्रांसिस्को की गैर-लाभकारी संस्था 'चाइल्ड फैमिली हेल्थ इंटरनेशनल' से जुड़ गईं। साल 1998 से 2004 तक उन्होंने वहां कार्यकारी निदेशक और सीईओ के रूप में काम किया।

सफीना उन दिनों जब-जब अपनी जिंदगी पर गौर करतीं, उन्हें यही एहसास होता कि सिर्फ तालीम की दौलत से उनके जीवन को यह विश्तार मिला है। क्या उनकी ही तरह पढ़ाई और करियर से दूर कर दी गई लड़कियों-औरतों को एक और मौका नहीं मिलना चाहिए? इस सवाल ने उनके भीतर एक बवंडर-सा पैदा कर दिया और 2005 में वह मुंबई चली आईं।

तब तक पिता यूसुफ हुसैन भी बॉलीवुड में मकबूल हो चुके थे और मुंबई में ही रहने लगे थे। बहरहाल, सफीना ने केंद्र सरकार के आला अधिकारियों से संपर्क किया और पूछा, अगर मुझे लड़कियों की शिक्षा पर काम करना हो, तो कहां जाना चाहिए? अफसरों ने गंभीर लैंगिक अंतर वाले 26 जिलों की एक सूची दी, जिनमें से नौ अकेले राजस्थान में थे।

साल 2007 में गैर-लाभकारी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' की नींव रखने के साथ सफीना ने पाली जिले के पचास गांवों में काम करना शुरू कर दिया। वह जानती थीं कि राजस्थान के आदिवासी इलाकों में जाकर अगर सीधे माता-पिता से वह कहेंगी कि वे अपनी बेटियों को फिर से स्कूल भेजें, तो यह कामयाब नहीं होने वाला। इसलिए उन्होंने पहले गांव-गांव में 'टीम बालिका' बनाई, जिसमें स्थानीय पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियों को शामिल किया गया, ताकि वे लक्षित परिवारों के साथ भरोसे का रिश्ता कायम कर सकें। फिर उनकी संस्था ने राज्य सरकार के साथ मिलकर बेटियों को स्कूल से पुनः जोड़ना शुरू कर दिया।आज सफीना की संस्था राजस्थान के अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के 29, 000 गांवों में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि बेटियां शिक्षा से वंचित न रह जाएं।

उनकी संस्था में 3, 000 लोग नियमित रूप से कार्यरत हैं, जबकि 18, 000 नौजवान वॉलंटियर के तौर पर जुड़े हैं। बीते 18 सालों में इन राज्यों की लगभग 20 लाख बच्चियों को स्कूलों से फिर से जोड़कर सफीना की संस्था ने उनकी जिंदगी को रोशन किया है। इसलिए पिछले दिनों जब इस संस्था को रेमन मैगसायसाय अवॉर्ड के लिए चुना गया, तो सचमुच सफीना हुसैन पर गर्व हो आया!

अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाएं

पश्चिम बंगाल की विधानसभा में संविधान, लोकतंत्र, गरिमा, मर्यादा को तार-तार किया गया। क्षोभ और शर्मिंदगी के कोई और शब्द हैं, तो उनका उल्लेख भी किया जा सकता है। यह न तो संघीय ढांचा है और न ही अभिव्यक्ति की आजादी है। हम जानते हैं कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समविचारक नहीं होंगी। जब वह लोकसभा सांसद थीं, तब ऐसा हुड़दंग मचाया था कि स्पीकर सोमनाथ चटर्जी पर बिल के टुकड़े-टुकड़े कर उछाल दिए थे। तब उन्होंने बंगाल में घुसपैठियों के मुद्दे पर अपना नकारात्मक आक्रोश, रोष व्यक्त किया था। आज भी वही मुद्दा है, लेकिन आज वह खुद मुख्यमंत्री हैं। आज राजनीति के कारण उनके सुर और रवैये बदल चुके हैं।

आज ममता बनर्जी बांग्लादेशी घुसपैठियों की अवधारणा मानती ही नहीं। उन्होंने 'बांग्लाभाषी' और 'प्रवासी बंगाली' सरीखे नए शब्द गढ़ लिए हैं और केंद्र सरकार पर 'बंगालियों पर अत्याचार' के आरोप मढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ऐसी पहली मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विधानसभा में चीख-चीख कर नारे लगाए हैं-'मोदी चोर, वोट चोर, अमित शाह चोर...भाजपा डकैतों, आतंकियों, अत्याचारियों की पार्टी है।' यह दुखद ही नहीं, बेशर्मी और नालायकी है, दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री ने सदन में ही देश के प्रधानमंत्री को 'चोर, डकैत, अत्याचारी' करार दिया है। अफसोस और विडंबना यह है कि ऐसे गालीबाज मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई संवैधानिक कार्रवाई नहीं की गई है और न ही हमें ऐसी कोई संभावना लगती है।

क्या देश का प्रधानमंत्री ऐसा किरदार बना दिया गया है, जिसके खिलाफ तमाम मर्यादाओं और संवैधानिक आचरणों की हदें लांघी जा सकती हैं? क्या संविधान में ऐसे भी अनुच्छेद हैं, जिनके तहत प्रधानमंत्री को, कोई भी, किसी भी मौके पर, गालियां देकर अपमानित कर सकता है? यह निरंकुशता लोकतांत्रिक और संघीय भी नहीं है। 'वोट चोर' कुछ हद तक राजनीतिक और चुनावी मुद्दा हो सकता है, लेकिन ये शब्द भी आपत्तिजनक और अश्लील हैं। अब चुनाव आयोग 10 सितंबर को सभी क्षेत्रीय मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ देश भर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण को लेकर विमर्श करेगा।

जाहिर है कि बिहार वाली प्रक्रिया बंगाल में भी हो सकती है, क्योंकि अप्रैल, 2026 के आसपास वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। असम, तमिलनाडु, पांडिचेरी, केरल आदि राज्यों में भी 2026 में चुनाव हैं। कौन-कौन, मतदाता संशोधन की इस कवायद के मद्देनजर प्रधानमंत्री को 'चोर' कहेगा? क्या इस संवैधानिक प्रक्रिया पर प्रधानमंत्री और चुनाव आयोग को, ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस, 'चोर' करार देते हुए विरोध प्रकट करेगी? बंगाल में हिंसक प्रदर्शन भी किए जाएंगे? एक राज्य में अराजकता फैलाने की बौनी राजनीति खेली जाएगी? बेशक सदनों की गरिमा और उनके चरित्र को इतना खंडित न किया जाए कि पक्ष और विपक्ष के निर्वाचित सदस्य हाथापाई करें, मारपीट तक की नौबत आ जाए और सदस्यों को जमीन पर ही चित पटकनी दे दी जाए।

बंगाल की विधानसभा में यह सब कुछ हुआ। भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष को अस्पताल तक ले जाना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष सुवेन्दु अधिकारी को भी मार्शलों के जरिए सदन से बाहर कर दिया गया। दुर्भाग्य है कि अब सभी श्तरों के सदनों में ऐसा ही माहौल देखने को मिलता है। अब सांसदों/विधायकों के निलंबन भी स्पीकर के नीर-क्षीर विवेक के उदाहरण नहीं रहे।

सभापति अपने राजनीतिक दल से प्रभावित रहते हैं, लिहाजा फैसले तटस्थ नहीं माने जा सकते। यकीनन ये दृश्य लोकतंत्र और संविधान के सबसे कलंकित अपमान हैं। यदि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सदन में बिंदुवार बंगालियों के अत्याचार की घटनाएं पेश करतीं, सदन संयत होकर कार्यवाही करता, तो वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता था।

'मोदी चोर' कहकर तो ममता ने अपनी छीछालेदर कराई है। अब यह मुद्दा हंगामा मचाएगा कि ममता घुसपैठियों, बांग्लादेशियों, अवैध प्रवासियों के वोट बैंक की राजनीति करती हैं। देश में करीब 2.5 करोड़ घुसपैठिए हैं, यह आंकड़ा बहुत पुराना है, लिहाजा मोदी सरकार भी सवालिया रही है कि अभी तक घुसपैठियों को देशनिकाला देकर उनके मूल देश क्यों नहीं भेजा जा सका? यह गति अत्यंत धीमी क्यों है? बहरहाल कहा जा सकता है कि घुसपैठ के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल ईमानदार नहीं हैं। भारत ऐसा अकेला देश है, जहां घुसपैठियों का मनोबल बढ़ाने वाली पार्टियां भी हैं। आपस में गालियां देने के बजाय आत्ममंथन करें कि यदि देश की एकता, अखंडता को बचाना है, तो घुसपैठियों पर सर्वसम्मत फैसला लें।

रिश्तों की गरिमा की पुनर्स्थापना का यक्ष प्रश्न

अशोक मधुप

आज जगह – जगह रिश्तों का खून हो रहा है। हैं। हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है। बेटी बाप को मार रही है ।पति-पत्नी को मार रहा है। पत्नी पति की हत्याकर रही है।भाई बहिन को मारते नही झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नही कांप रहे।मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नही बाप की भी हत्या कर रहे हैं।ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है।

आज समाज का सबसे दुखद और चिंताजनक पहलू यह है कि जिन रिश्तों को सबसे पवित्र और मजबूत माना जाता है, वहीं रिश्ते टूट रहे हैं और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। समाचार पत्र और टीवी चैनल लगभग रोज़ाना ऐसी ख़बरें दिखाते हैं।हालत यह है कि बाप बेटी को मार रहा है ।बेटी बाप को मार रही है। पति-पत्नी को मार रहा है।

पत्नी पति की हत्याकर रही है। भाई बहिन को मारते नही झिझक रहा तो भाई की हत्या करते बहन के हाथ नही कांप रहे। मां बेटे और बेटी का हत्या कर रही है तो बेटा और बेटी मां को ही नही बाप की भी हत्या कर रहे हैं।ऐसा लगता है कि भारत की परिवार व्यवस्था टूट चुकी है। रिश्तों पर स्वार्थ हावी हो गया है। व्यक्तिवाद ने समाज पर अपना अधिकार कर लिया।

इन घटनाओं ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर इंसान को इतना निर्दयी और क्रूर कौन बना रहा है? जिन संबंधों में विश्वास, अपनापन और प्रेम होना चाहिए, वहां नफरत, तनाव और हिंसा क्यों बढ़ रही है?लगता है कि भारतीय परिवार टूटने का असर यह हुआ है कि एकल परिवार अब अपने तक सीमित होने की जद्दोजहद में है।पहले संयुक्त परिवार होते है।सामूहिक चूल्हा होता था।

सामूहिक खान पान था। हमारे बचपन तक खाना रसोई के पास जमीन पर बैठकर जीमा जाता था। परिवार के बुजुर्ग बच्चे साथ बैठकर भोजन करते थे। सब दुख सुख के साथी थे।प्रायः जरूरत के सामान सब घर के आसपास मिल जाते थे।धीरे – धीरे परिवार की जरूरते बढ़ने लगीं। युवक रोजगार के लिए बाहर जाने लगे।धीरे धीरे उनके साथ पत्नी और बच्चे नौकरी वाले स्थान पर रहने लगे।

आज आदमी अपने तक सीमित होकर रह गया। व्यक्तिवाद हावी हो गया।

लगता है कि जैसे समाज ने सारे रिश्ते जंगल बनाकर रहेंगे। हम आदि व्यवस्था से भी आदम की ओर बढ़ते जा रहे हैं ।इन सब रिश्तों को दोबारा कैसे जिंदा किया जाए इस पर विचार करना

होगा।पहले के समय में संयुक्त परिवार होते थे। परिवार के बुजुर्ग विवादों को संभालते, बच्चों को संस्कार देते और छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधार लेते। आज अधिकांश परिवार 'न्यूक्लियर फैमिली' यानी छोटे परिवार बन गए हैं। ऐसे में

पति-पत्नी के झगड़े सुलझाने वाला कोई नहीं होता।माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ीगत संवाद टूट गया है।अकेलापन और अवसाद घर कर जाता है।जब संवाद टूटता है तो ग़लतफ़हमियाँ बढ़ती हैं और छोटी-सी बात हिंसा तक पहुँच जाती है।

पहले मोहल्ले और गाँव के लोग भी परिवार के सदस्य जैसे होते थे। यदि किसी परिवार में कलह होती थी तो पड़ोसी हश्तक्षेप करके सुलह करा देते थे। आज लोग एक-दूसरे से अलग-थलग हो गए हैं।'निजता' के नाम पर लोग किसी के मामलों में बोलना नहीं चाहते।इस चुप्पी का नतीजा है कि छोटे विवाद हिंसक रूप ले लेते हैं।परिवारों में हिंसा का एक बड़ा कारण आर्थिक तनाव भी है। महँगाई, बेरोज़गारी और आर्थिक असमानता ने लोगों को चिड़चिड़ा बना दिया है।पिता बेरोज़गार बेटे पर गुस्सा निकालते हैं, बेटा अपमानित होकर पिता की हत्या तक कर देता है।पति-पत्नी के बीच आर्थिक जिम्मेदारियों को लेकर झगड़े होते हैं जो कभी-कभी खून-खराबे में बदल जाते हैं।शराब, ड्रग्स और अन्य नशे परिवारिक हिंसा की जड़ हैं। नशे में व्यक्ति का विवेक खत्म हो जाता है और वह अपने ही परिवार को मारने तक से नहीं हिचकिचाता। भारत में लगभग 30 प्रतिशत घरेलू हिंसा के मामलों में नशे को मुख्य कारण माना गया है। आज के समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या पैसा कमाना रह गया है। बच्चों को नैतिक शिक्षा, संस्कार और धैर्य सिखाने की परंपरा कमजोर हो चुकी है। सम्मान और सहनशीलता की जगह 'आत्मकेंद्रितता' बढ़ रही है।लोग रिश्तों को बोझ समझने लगे हैं।आपसी विश्वास और त्याग की भावना खत्म हो रही है।यही कारण है कि भाई-बहन, पति-पत्नी, माँ-बेटे जैसे पवित्र रिश्ते भी हत्या जैसे अपराध तक पहुँच जाते हैं।

मोबाइल, टीवी, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने जीवन की धारा को बदला है।युवा वर्ग आभासी (Virtual) दुनिया में ज्यादा जी रहा है। परिवार को समय न देकर 'फ्रस्ट्रेशन' (तनाव) में डूब जाता है। अपराध आधारित वेब सीरीज़ और हिंसक वीडियो गेम ने भी संवेदनाओं को कुंद कर दिया है।लोग वाश्तविक जीवन में भी गुस्से और हिंसा को सामान्य मानने लगे हैं।

आज मानसिक स्वास्थ्य सबसे बड़ी समस्या है। डिप्रेशन, तनाव और मनोविकृति से पीड़ित लोग अक्सर हिंसा की ओर बढ़ जाते हैं।कई बार माता-पिता अवसाद में आकर अपने ही बच्चों की हत्या कर देते हैं।युवा अवसादग्रश्त होकर माता-पिता पर हमला कर बैठते हैं। मानसिक रोगों की पहचान और इलाज की व्यवस्था की कमी के कारण ऐसी घटनाएँ बढ़ रही हैं।परिवारों में संपत्ति विवाद हिंसा का बड़ा कारण है।भाई-भाई की हत्या कर देते हैं।बेटे-बेटियाँ माँ-बाप की संपत्ति हथियाने के लिए उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं।ज़मीन-जायदाद के झगड़े अक्सर खून-खराबे तक पहुँच जाते हैं।

पारिवारिक हिंसा सिर्फ़ अपराध नहीं है, बल्कि समाज की चेतावनी भी है। यह हमें बताता है कि हम रिश्तों के मूल्य, संस्कारों और आपसी संवाद को खोते जा रहे हैं। अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो परिवार जैसी संस्था ही कमजोर हो जाएगीहमें यह समझना होगा कि पैसा, आधुनिकता और तकनीक से ज़्यादा महत्वपूर्ण मानवता, प्रेम और विश्वास है। यदि रिश्तों में करुणा, धैर्य और संवाद कायम रहेगा तो न बाप बेटी को मारेगा, न बेटी बाप को, न पति पत्नी पर हाथ उठाएगा और न ही भाई-बहन, माँ-बाप, बेटे-बेटी हत्या तक पहुँचेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

एक करोड़ की चोरी का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी संजीव सुमन द्वारा थाना गांधीपार्क क्षेत्रान्तर्गत कोर्ट आफ वार्डस कम्पाउण्ड नियर कम्पनी बाग स्थित शिवम मित्तल के घर में अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर घर से सोने व चाँदी के जेवरात व नगदी कुल कीमत करीब 01 करोड़ रुपये की चोरी की घटना का सफल अनावरण करने वाली टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

चोरी की घटना के अनावरण हेतु एसएसपी अलीगढ़ के निर्देशन में टीमें गठित कर मात्र 48 घण्टों के भीतर चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था तथा चोरी किये गये माल की शत-प्रतिशत बरामदगी की गई थी। विदित है कि पुलिस अधीक्षक नगर मृगांक शेखर पाठक के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय कमलेश कुमार के पर्यवेक्षण में थाना गाधीपार्क से थाना प्रभारी गांधीपार्क राजवीर सिंह परमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजीव सिंह, महिला उपनिरीक्षक नीतू वर्मा ,उपनिरीक्षक रवि कुमार, उपनिरीक्षक नितिन राठी, उपनिरीक्षक मृणाल गुप्ता, उपनिरीक्षक मुकुल पंवार, है. का. हरवीर सिंह, है. का. राजेश मावी, का. बालकराम व क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग नगर टीम से मुख्य आरक्षी बनी सिंह,आरक्षी आकाश शर्मा, आरक्षी प्रिंशुभ मोतला,आरक्षी, सुगंध प्रताप शामिल थे। एसएसपी द्वारा उपरोक्त टीम को पूर्व में ही दस हजार रुपये का नकद पुरूस्कार प्रदान किया जा चुका है।

इस उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए एसएसपी द्वारा जांच में शामिल पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएसपी ने पुलिस टीम की सक्रियता और टीम भावना की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार लगन व निष्ठा से अपराध निवारण के कार्य में जुटे रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

किसानों को नैनो तकनीक का मिलेगा प्रशिक्षण

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिले में सहकारिता विभाग के सहयोग से सभी 12 विकास खण्डों में नैनो उपयोगिता प्रोत्साहन आधारित कृषक गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गोष्ठियों में किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने, जल-वायु एवं भूमि को प्रदूषण रहित रखने तथा नैनो तकनीक से कृषि के विभिन्न लाभों पर जानकारी दी जाएगी।

सहायक निबन्धक सहकारिता नागेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि 9 सितम्बर को बिजौली के बीपैक्स बड़ेसरा, 11 सितम्बर को चंडौस के बीपैक्स सोमना-2,15 सितम्बर को गोंडा के इफको बाजार गोंडा, 18 सितम्बर को टप्पल के बीपैक्स जट्टारी, 20 सितम्बर को जवां के बीपैक्स जवां, 22 सितम्बर को इगलास के इफको किसान सेवा केंद्र मण्डी इगलास, 24 सितम्बर को लोध के बीपैक्स नेहरा, 26 सितम्बर को धनीपुर के बीपैक्स हरदुआगंज उत्तरी, 29 सितम्बर को गंगीरी के बीपैक्स बरला, 30 सितम्बर को अतरौली को बीपैक्स अतरौली उत्तरी में पूर्वान्ह 11 बजे से गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंधक इफको बी.के. निगम ने बताया कि कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी इन गोष्ठियों में किसानों को नैनो तकनीक से होने वाले लाभों एवं उत्पादन वृद्धि के आयामों पर मार्गदर्शन देंगे।

विभिन्न मामलों में दोषियों को सुनाई सजा व जुर्माना

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी संजीव सुमन महोदय के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाने हेतु चलाए ऑपरेशन कन्विक्शन के क्रम में अलीगढ़ पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से माननीय न्यायालय द्वारा विभिन्न मुकदमे के आरोपियों को सजा सुनायी गयी है। थाना बन्नादेवी पर पंजीकृत बहला-फुसलाकर भगा ले जाकर बलात्कार और पोक्सो एक्ट में डम्पला पुत्र विजय सिंह निवासी ट्रांसफॉर्मर वाली गली, लालाजी के मकान के बराबर में थाना बन्नादेवी न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर 20 वर्ष के कठोर कारावास व 65 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। वहीं थाना क्वार्सी पर पंजीकृत जानलेवा हमले के मुकद्में में आस मौहम्मद पुत्र अलीशेर निवासी छर्रा किला थाना छर्रा को न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर 07 वर्ष कारावास की सजा व 5 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।

राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी में छात्रों का हंगामा, जड़े ताले

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना लोधा क्षेत्र में राजा महेंद्र प्रताप यूनिवर्सिटी में छात्रों ने सोमवार को हंगामा कर दिया बीसी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। सोमवार करीब 11 बजे छात्रों को यूनिवर्सिटी की तरफ आता देख गार्डों ने सभी गेटों के ताले लगा दिये। छात्रों ने गेट खोलने को कहा गया तो गेट नहीं खोला गया।

जब छात्र ज्यादा इकट्ठा हो गये तो छात्रों ने भी अलग से प्रत्येक गेट पर अपना ताला जड़ दिया। चौथी मंजिल से अंदर पहुंचे छात्र एक राश्ता एसा मिल गया कि बिल्डिंग की एक साइड से सीढीयों चौथी मंजिल पर जाती हैं उसी राश्ते छात्र पहले चौथी मंजिल चढे फिर दूसरे राश्ते से बीसी के आफिस तक पंहुचे वहां धरना प्रदर्शन किया।

यमुना और चंबल की तेज धारा में बह गए मगरमच्छ

इटावा के रास्ते बाह के गांवों तक पहुंचे, दहशत में ग्रामीण

आगरा , एजेंसी। बाढ़ ने बाह में चंबल नदी के किनारे के 38 और यमुना किनारे के 35 गांवों के लोगों की मुसीबत बढ़ा दी है। नदी क्षेत्र से गांवों के किनारे तक मगरमच्छ के हमले की दहशत है। यमुना में मछली पकड़ते समय पई गांव निवासी पप्पू पर मगरमच्छ के हमले की आशंका और पुरा बरुआ गांव में नहाते समय भानु प्रताप को चंबल में मगरमच्छ के खींच ले जाने की घटना के बाद ग्रामीण डरे हुए हैं। वन विभाग बाह के रेंजर कुलदीप सहाय पंकज ने बताया कि चंबल नदी में उफान से घड़ियाल और मगरमच्छ डाउनस्ट्रीम में इटावा के भरेह तक पहुंच जाते हैं। यहां से यमुना नदी में आने वाले मगरमच्छ इटावा के रास्ते बाह की सीमा तक आ जाते हैं। दोनों नदियों में बाढ़ के हालात होने से मगरमच्छ की चाल भी प्रभावित हुई है। यमुना में उफान के दौरान बाह के कचौराघाट गांव में 2, पई, चरीथा, विक्रमपुर घाट गांव में 1-1 मगरमच्छ दिखा है। ग्रामीण बस्ती के पास मगरमच्छ देखकर डरे हुए हैं। इधर, चंबल में उफान के पानी के साथ मगरमच्छ खादर के रास्ते गांवों तक पहुंचने की दहशत है। उटसाना, चंपाराम पुरा,

बरुआ पुरा के आसपास मगरमच्छ देखे गए हैं। वन विभाग नजर रखे हुए है। बरौली अहीर के तनौरा बुर्ज में रहने वाले 15 परिवार यमुना के पानी में पूरी तरह घिर गए हैं। उनके घरों में पानी भर गया। मोटरबोट के सहारे रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाल कर पंचायत घर में ठहराया गया। यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण ब्लॉक बरौली अहीर के तनौरा बुर्ज गांव में पानी भरने लगा है। ग्राम प्रधान मनोज कुमार ने बताया कि यमुना के तराई क्षेत्र तनौरा बुर्ज पर 15 परिवारों के 60 लोग रहते थे। सभी के सुरक्षित स्थानों पर रहने की व्यवस्था की गई है। भोजन के पैकेट का वितरण किया जा रहा है। यमुना नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर से एत्मादपुर के कई गांव की गलियों में पानी भर गया है। फसलें डूब गई हैं। गढ़ी संपत्ति में गांव के बाहर बने दो मकानों में पानी आ जाने से परिवारीजन समान लेकर गांव के पुराने घर में आ गए हैं। क्षेत्र के गांव सुरहरा, छोटा सुरहरा, शीशियां, रायपुर, गदपुरा, नगला नत्था, गढ़ी संपत्ति के किसानों की सैकड़ो बीघा फसलें डूबी हुई हैं। किसान नेता प्रदीप शर्मा ने बताया कि गढ़ी संपत्ति में गांव के चारों ओर यमुना का पानी आ जाने से लोग सहमे हैं। रविवार को विधायक डॉ धर्मपाल सिंह ने एसडीएम सुमित कुमार सिंह के साथ नदी किनारे के गांव में दौर कर ग्रामीणों से मुलाकात की। एत्मादपुर कस्बे में रविवार शाम को हुई बारिश से गलियों में पानी भर गया। लोग निकलने के लिए परेशान रहे। करीब एक घंटे हुई बारिश से सत्ता मोहल्ले के टंकी वाले मार्ग, नई बस्ती की गलियां, आंबेडकर पार्क सहित मुख्य बाजार के मार्ग पर पानी भर गया।

पलायन कर रहे परिवार

कुछ परिवार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए स्वयं समान के साथ पलायन करने लगे हैं। वहीं दूसरी तरह मेहरा नाहर गंज (थार) पूरी तरह खाली करा दिया गया है। सभी को प्राथमिक विद्यालय में ठहराया गया है। खंड विकास अधिकारी बरौली अहीर जीएस यादव ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रभावित लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीडीओ ने बताया की क्षेत्र में मेहरा नाहर गंज, तनौरा बुर्ज, तनौरा नूरपुर, बरौली गुर्जर, नगला तलफी, समोगर यमुना की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र हैं। वहीं, समोगर मुस्तिकल में सैकड़ों बीघा फसलें डूब गई हैं। प्रधान लखेन्दर सिंह ने बताया की किसानों की सब्जी की फसलें नष्ट हो चुकी है किसान भुखमरी के करार पर पहुच गए। प्रशासन किसी भी तरह की मदद नहीं कर रहा है।

मेरठ में पकड़ा अवैध मिनी टेलीफोन एक्सचेंज, देश की सुरक्षा से कर रहे थे खिलवाड़, क्रिप्टो करंसी में पेमेंट

मेरठ । लिसाड़ीगेट, साइबर थाना पुलिस और डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशन (डॉट) की संयुक्त टीम ने रविवार रात लिसाड़ी गेट क्षेत्र के लक्खीपुरा में छापा मारकर अवैध मिनी टेलीफोन एक्सचेंज पकड़ा। पुलिस ने इसे संचालित करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मौके से छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में एक टीम नोएडा भेजी गई है।

आरोपी गिरोह के सदस्य अंतरराष्ट्रीय वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल (वीओआईपी) कॉल को लोकल कॉल में परिवर्तित कर केंद्र सरकार के राजस्व को हानि पहुंचा रहे थे। इस तरह कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान छिपी रहती है और उसे ट्रेस करना कठिन हो जाता है। इससे देश की सुरक्षा को भी खतरा होने की आशंका रहती है। पकड़े गए आरोपियों में से कोई भी ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि नफीसा मस्जिद के पीछे पानी की टंकी के पास एक मकान में अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित हो रहा है। इस पर लिसाड़ीगेट, साइबर थाना पुलिस और डॉट की संयुक्त टीम ने मकान पर छापा मारा। यहां अवैध मिनी टेलीफोन एक्सचेंज चलता मिला।

टीम ने यहां से लक्खीपुरा जामिया चौक निवासी आस मोहम्मद व उसके भाई मोहम्मद चांद उर्फ सोनू, लक्खीपुरा गली नंबर-16आर निवासी कासिम व उसके भाई हाशिम, अहमदनगर कांच का पुल निवासी सरफराज और मोहम्मद इमरान को गिरफ्तार किया गया। मौके से मिला टेलीफोन एक्सचेंज संचालन का सामान कब्जे में ले लिया।

आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, अपराधिक षडयंत्र, भारतीय तार व बेतार यांत्रिकी अधिनियम 1933, भारतीय तार अधिनियम 1885 व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

टीम ने कार्रवाई के दौरान मौके से 32 सिम का वीओआईपी गेटवे डिवाइस, 4 वाई-फाई राउटर, 22 सिम कार्ड, 3 लैपटॉप, 5 एंड्रॉइड मोबाइल, 2 कीपैड मोबाइल, एक लैपटॉप चार्जर, 4 एडॉप्टर, 2 राउटर केबल व एक एचडीएमआई केबल बरामद किया।एसपी सिटी ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से अवैध टेलीफोन एक्सचेंज संचालित कर रहा था। स्वॉट और डॉट की संयुक्त टीम ने इसी साल 19 मार्च को भी लक्खीपुरा में छापा मारकर अवैध टेलीफोन एक्सचेंज पकड़ा था। मौके से नगर निगम के कर्मचारी के पुत्र जुनैद व साकिब और मवाना के छप्पर वाली गली निवासी आरिस और मोहल्ला कल्याण निवासी आसिफ को गिरफ्तार किया था।

सेवा पखवाड़ा में नये वोटरों को जोड़ने पर फोकस करेगी भाजपा, संगठन मंत्री ने पदाधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ , एजेंसी। भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा को लेकर भाजपा युवा मोर्चा की रविवार को प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस मौके पर संगठन मंत्री ने युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारियों को नए मतदाताओं से संपर्क के लिए अभियान चलाने का आह्वान किया।

उन्होंने पार्टी द्वारा पीएम मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्तूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भी सेवा कार्यों में शामिल होने को कहा।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी संगठन की योजनानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को 17 सितम्बर को मोदी के जन्मदिवस पर सभी जिलों में रक्तदान शिविर लगाकर 75 युनिट रक्तदान करना है। उन्होंने कहा इसके लिए हमें पहले से उन कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर लेनी चाहिए जिन्हें रक्तदान करना है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान कार्यक्रम हो या नमो मैराथन हो, सभी कार्यक्रमों में नए मतदाताओं को जोड़ने पर विशेष तौर से प्रयास किए जाएं। उन्होंने युवा मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए अभी से रूपरेखा तैयार करने को कहा है।

इस मौके पर भाजयुमों के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने कहा कि कार्यक्रम को सफल करने के लिए युवा मोर्चा के कार्यकर्ता समाज के विभिन्न वर्गों से संपर्क करेंगे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सेलिब्रिटी, प्रमुख व्यवसायी, कलाकार, सांस्कृतिक प्रतीक, कवि, बड़े डाक्टर, वॉर संघों के लोगों, पूर्व खिलाड़ियों, फिटनेस क्लब, स्कूल कॉलेजों में भी संपर्क करेंगे। मैराथन के साथ एनसीसी, एनएसएस व एनवाईके के कार्यकर्ताओं को मैराथन से जोड़ने का कार्य करेंगे।

रामनगर की रामलीला में चौथी बार नहीं हुई रामजन्म की लीला, चंद्रग्रहण के कारण नहीं हुई लीला

वाराणसी , एजेंसी। रामनगर की रामलीला के इतिहास में यह चौथा अवसर था जब ग्रहण के कारण रामजन्म की लीला का मंचन नहीं हुआ। चंद्रमा पर ग्रहण का संकट आया तो प्रभु श्रीराम कहां से अवतार लेते। चंद्रग्रहण और सूतक के कारण रामनगर की रामलीला में दूसरे दिन रामजन्म की लीला के स्थान पर लगातार दूसरे दिन दोपहर में क्षीरसागर की झांकी सजाई गई। रविवार को रामनगर पोखरे ने क्षीरसागर का रूप लिया और वैकुंठ लोक में विराजे भगवान विष्णु और लक्ष्मी की आरती हुई। ढाई बजे होने वाली आरती देखने के लिए भारी संख्या में लीला प्रेमी जुटे। रविवार को रामलीला के दूसरे दिन श्रीराम जन्म की लीला होनी थी। लेकिन, ग्रहण के चलते सूतक लग जाने के चलते रामलीला संभव नहीं थी।

इसके चलते पहले से ही लीला स्थगित कर दी गई थी। चूंकि रामनगर की रामलीला की परंपराओं के अनुसार लीला विभिन्न वजहों से स्थगित होने पर आरती अवश्य कराई जाती है। उसी के अनुरूप रविवार को दोपहर में क्षीरसागर की झांकी और आरती की गई। अब सोमवार को श्रीराम जन्म की लीला होगी। लीला प्रेमियों ने बताया कि श्रीरामलीला रामनगर के इतिहास में यह चौथी बार है कि रामजन्म की लीला के दिन ग्रहण लग जाने के कारण क्षीरसागर की झांकी दो दिन में कराई गई। भगवान के अवतार की लीला, ग्रहण के अगले दिन आश्विन कृष्ण प्रतिप्रदा यानी आठ सितंबर को संपन्न होगी। सामान्यतः श्री रामलीला रामनगर में भगवन आविर्भाव की लीला शुक्ल पक्ष में संपन्न होती है लेकिन इस साल कृष्ण पक्ष में होगी।

कुछ लोगों ने कहा, ला भइया ! भगवन के जन्म पर ही ग्रहण, सब मंगल रही न? कुछ लीला प्रेमियों ने कहा कि श्रीराम जी कृष्ण पक्ष में आएं या शुक्ल पक्ष में वो तो उनकी लीला है, वही जाने। किसी रूप में किसी दिन भी आएं सब मंगल ही मंगल है। ग्रह नक्षत्र उनके अनुकूल रहते हैं वो ग्रहों के अनुकूल नहीं चलते। उनके विवाह के समय भी कहां ग्रह ठीक था लेकिन धनुष टूटते ही सूर्य भगवान ने अपने घोड़ों की दिशा बदल दी। हम अपनी शास्त्र परंपरा के अनुसार चलने वाले हैं और भगवन भी यही आदेश करते हैं परंतु सच मानिए उनके लिए क्या ग्रह नक्षत्र अनुकूल या प्रतिकूल। ऐसे भी हम प्रेमियों के लिए तो मंगल ही मंगल है। ग्रहण के कारण भगवन झांकी का आनंद रात्रि और दिन दोनों में ही अनुभव करने को मिला। प्रभु तो हम लोगों पर प्रसन्न होकर दो बार दर्शन देने आएं हैं।

बुखार का प्रकोप बढ़ता जा रहा, फेफड़ों और गुर्दों पर असर डाल रहा वायरल फीवर

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में वायरल बुखार तेजी से फैल रहा है। हर रोज हैलट के अलावा अन्य सरकारी अस्पतालों में 500 रोगी वायरल बुखार के आ रहे हैं। कई गंभीर अवस्था में भर्ती हो रहे हैं। वायरल से निमोनिया और गुर्दे पर भी असर पड़ रहा है। ऐसे रोगी रोजाना ओपीडी में आ रहे हैं जो काफी दिनों से वायरल और उसके बाद निमोनिया की जद में थे।

हैलट के नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. युवराज गुलाटी ने बताया कि हाल के दिनों में हमारे पास ऐसे कई रोगी आए हैं जिन्हें वायरल या निमोनिया के बाद किडनी संबंधी समस्याएं हुई हैं। वायरल रोगियों के फेफड़ों और गुर्दे पर असर हो रहा है। वायरल के साथ निमोनिया होने से फेफड़ों पर असर आ रहा है। इससे रोगी सेप्सिस में जा रहे हैं। सेप्सिस पूरे शरीर में फैलने का असर गुर्दों पर भी पड़ रहा है। ये वो रोगी हैं जो पहले कभी गुर्दे की बीमारी से पीड़ित नहीं थे। हैलट की ओपीडी में रोज 200 रोगी आते हैं, इनमें 40 रोगी सेप्सिस का शिकार हैं।

इसके अलावा जो पहले से गुर्दा संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे हैं उनमें निमोनिया होने से गुर्दों की दिक्कत इतनी बढ़ जा रही है कि डायलिसिस की नौबत आ रही है। हैलट के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. एसके गौतम ने बताया कि मौसम बदलने की वजह से डायरिया और वायरल फीवर के रोगी तेजी से बढ़े हैं। अगर किसी को वायरल है तो बाहर का खाना न खाएं। बुखार या खांसी-जुकाम को नजरअंदाज न करें। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा न लें।

इस सीजन में तीसरी बार चेतावनी बिंदु पार कर गई गंगा, 36 घंटे में ही 1.03 मीटर जलस्तर बढ़ा

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तीसरी बार चेतावनी बिंदु को पार गया है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 36 घंटे में ही 1.03 मीटर जलस्तर बढ़ा, जिसके चलते सोमवार को जलस्तर चेतावनी बिंदु पार कर गया, जो चेतावनी बिंदु से रविवार को सिर्फ 33 सेंटीमीटर दूर था। रविवार की रात आठ बजे तक जलस्तर 69.93 मीटर रिकॉर्ड किया था।

गंगा की वजह से वरुणा नदी में पलट प्रवाह है। इससे पुलकोहना से नक्खी घाट के बीच कई मकान पानी से घिर गए। लोगों के घर छोड़ना पड़ा है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार की सुबह आठ बजे से रविवार की रात आठ बजे के बीच गंगा के जलस्तर में 1.03 मीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे तटवर्ती इलाकों में दहशत बरकरार है।

वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर है। खतरे का निशान 71.26 मीटर है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 में गंगा का जलस्तर 72.32 मीटर तक गया था, जबकि 2021 और 2022 में अगस्त-सितंबर के बीच लगातार बाढ़ का पानी चढ़ता-उतरता रहा। रविवार शाम तक गंगा का पानी घाटों पर करीब चार फीट तक चढ़ गया। इसी के साथ वरुणा नदी में भी उफान शुरू हो गया। बाढ़ का पानी वरुणा कॉरिडोर के आगे तक पहुंच गया। हर साल जुलाई से सितंबर का समय वाराणसी के तटवर्ती इलाकों के लिए बाढ़ का खतरा रहता है। नक्खी घाट, तालीमनगर, हिदायत नगर, पुल कोहना, तिनपुलिया, सक्कर तालाब, बघवानाला और मौजाहाल जैसे इलाकों में पानी घुसने के आसार बन रहे हैं। हिदायत नगर की अनीता देवी ने कहा कि सुबह से ही वरुणा का पानी तेजी से बढ़ा है। घर के बाहर पानी भरने का डर बना हुआ है। नक्खी घाट निवासी रामकुमार ने बताया हर साल यही सोचते हैं कि पानी उतर जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। इससे मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जलस्तर में तेज बढ़ोतरी से हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह गली में करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका घाट पूरी तरह से डूब गया है। इस कारण सिर्फ छत पर ही अंतिम संस्कार किया जा रहा है। छत पर एक साथ सिर्फ 12 चिताएं ही जल रही हैं। हरिश्चंद्र और मणिकर्णिका घाट पर लोगों को शवदाह करने के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।

यमुना नदी के उफनाने से दिक्कत ज्यादा बढ़ी है। यमुना प्रयागराज में आकर गंगा में मिलती है इसलिए प्रयागराज से काशी तक असर दिख रहा है। अगले 24 घंटे में भी जलस्तर बढ़ने का अनुमान है।

हॉकी एशिया कप 2025:

जीत के रथ पर सवार भारत के सिर सजा एशिया कप का ताज, टूर्नामेंट में दागे सर्वाधिक गोल

राजगीर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला रविवार को भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय हॉकी टीम ने पांच बार की विजेता कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत आठ साल बाद एशिया कप का चैंपियन बना है। यह उसकी एशिया कप में चौथी खिताबी जीत है।

पूल चरण में अपराजेय रही भारतीय टीम

एशिया कप हॉकी 2025 में भारतीय टीम ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा और नॉकआउट चरण की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।29 अगस्त को भारत ने चीन को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से मात दी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान के खिलाफ कड़े संघर्ष में भारतीय खिलाड़ियों ने 3-2 से जीत दर्ज की। वहीं, 1 सितंबर को कजाकिस्तान पर टीम इंडिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 15-0 से एकतरफा जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन पूरी तरह आत्मविश्वास और तालमेल से भरा हुआ रहा। तीनों मैचों में जीत दर्ज करने के बाद टीम ने एशिया कप खिताब की प्रबल दावेदारी पेश की।

सुपर-4 चरण में भी अजेय रही भारतीय टीम

सुपर-4 चरण में भी भारत अजेय रहा और अंततः खिताब अपने नाम किया। तीन सितंबर को भारत और कोरिया के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। अगले ही दिन यानी चार सितंबर को टीम इंडिया ने मलयेशिया को 4-1 से मात देकर धमाकेदार जीत हासिल की। इसके बाद छह सितंबर को भारत ने चीन पर 7-0 से बड़ी जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए। जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली।

वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए।

● दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे। आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है।

गेम ऑफ थ्रोन्स के द माउंटेन ने रचा इतिहास, 510 Kg डेडलिफ्ट कर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

बर्मिंघम, एजेंसी। हाफथॉर ब्योर्नसन का यह पहला बड़ा कारनामा नहीं है। वे 2018 में वर्ल्ड्स स्ट्रॉन्गेस्ट मैन का खिताब जीत चुके हैं। अपनी ताकत और रिकॉर्ड तोड़ लिफ्ट के चलते वे वेटलिफ्टिंग और स्ट्रॉन्गमैन प्रतियोगिताओं में पहले से ही जाना-पहचाना नाम हैं। गेम ऑफ थ्रोन्स में ग्रेगर क्लेगने उर्फ द माउंटेन का किरदार निभा चुके आइसलैंड के एथलीट और अभिनेता हाफथॉर ब्योर्नसन ने एक बार फिर ताकत का शानदार नमूना पेश किया। ब्योर्नसन ने बर्मिंघम में आयोजित स्ट्रॉन्गमैन 2025 प्रतियोगिता के दौरान 510 किलोग्राम (1124 पाउंड) डेडलिफ्ट उठाकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जो 2020 में 505 किलोग्राम (1113 पाउंड) का था।

पहले भी रहे हैं सुर्खियों में

हाफथॉर ब्योर्नसन का यह पहला बड़ा कारनामा नहीं है। वे 2018 में वर्ल्ड्स स्ट्रॉन्गेस्ट मैन का खिताब जीत चुके हैं। अपनी ताकत और रिकॉर्ड तोड़ लिफ्ट के चलते वे वेटलिफ्टिंग और स्ट्रॉन्गमैन प्रतियोगिताओं में पहले से ही जाना-पहचाना नाम हैं।

ब्योर्नसन की वार्म-अप स्ट्रैटेजी

मुख्य लिफ्ट से पहले उन्होंने वार्म-अप में कई वजन उठाए-

70 किलो म 5 रेप्स
120 किलो म 3 रेप्स
170 किलो म 2 रेप्स
220, 270, 320 और 370 किलो- सभी एक-एक बार

मुख्य मंच पर उन्होंने 420 किलो, 470 किलो और आखिर में 510 किलो का डेडलिफ्ट उठाया।

द माउंटेन का एनर्जी से भरपूर नाश्ताः वेंट से पहले ब्योर्नसन ने अपना नाश्ता भी शेयर किया जिसमें आलू (शकरकंद और साधारण), अंडे, चावल, ग्रीक योगर्ट, ब्लूबेरी के साथ ओटमील और ऑरेंज जूस शामिल था। उन्होंने कहा, मैं प्रतियोगिता के दिन कभी भी अपनी डाइट नहीं बदलता। वही खाना, वही रूटीन। पेट खुश तो फोकस सही रहता है। इस तरह हाफथॉर ब्योर्नसन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे सिर्फ गेम ऑफ थ्रोन्स के द माउंटेन ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी स्ट्रॉन्गमैन हैं।

510 किलो उठाना दिखा आसान

सबसे खास बात यह रही कि 510 किलो का वजन उठाते समय ब्योर्नसन काफी सहज दिखे। फैंस को लगा कि शायद वे और ज्यादा वजन भी उठा सकते हैं। हालांकि, अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए वीडियो में ब्योर्नसन ने साफ कहा, लोग पूछ रहे हैं कि अगर 510 हल्का लगा तो क्या आप और भारी उठाएंगे? इसका ईमानदार जवाब है नहीं। उन्होंने बताया कि यह एक सोच-समझकर लिया गया फैसला था क्योंकि इस इवेंट में आगे पांच और प्रतियोगिताएं थीं। उनका मकसद सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ना ही नहीं, बल्कि पूरा शो जीतना था।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025:

लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में

जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में; निखत भिड़ेंगी जापान की युना निशिनाका से

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में पहुंच गए हैं, जबकि महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में जैस्मिन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुसैन इशैश को 5-0 से मात दी। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले राउंड में बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में हुसैन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे राउंड में लक्ष्य ने फिर से दबदबा बनाया और शानदार जीत दर्ज की। सभी पांचों जजों ने सर्वसम्मति से फैसला लक्ष्य के पक्ष में दिया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में जैस्मिन ने ब्राजील की जूसिएलन सेर्केरा रोमेउ को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

निखत की दमदार वापसी 51 किग्रा वर्ग में अनसीडेड निखत जरीन ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने राउंड ऑफ 32 में अमेरिका की जेनिफर लोजानो को 5-0 से मात दी। 29 वर्षीय निखत ने मुकाबले की शुरुआत सावधानी से की और पूरे मैच में नियंत्रण बनाए रखा। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में जापान की युना निशिनाका से भिड़ेंगी।

जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पवन बर्तवाल का सफर समाप्त पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में भारत के पवन बर्तवाल को उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही उनकी विश्व चैंपियनशिप की यात्रा यहीं समाप्त हो गई। लवलीना बोरगोहैन बाहर टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहैन पहले दौर में ही बाहर हो गईं। उन्हें महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में तुर्की की बुसरा इसिलदार ने 5-0 से हराया। हार के बाद 27 वर्षीय लवलीना ने कहा कि उन्हें उचित ट्रेनिंग और कोचिंग नहीं मिल पा रही है। उन्होंने करीब एक महीने पहले भी BFI के एक वरिष्ठ अधिकारी पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाए थे।

एशिया कप स्क्वॉड से बाहर होने पर श्रेयस अय्यर का छलका दर्द, बोले-मेहनत करते रहो, चाहे कोई...

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत 9 सितंबर (मंगलवार) से हो रही है. इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (४श्व) के खिलाफ मुकाबले से करेगी. फिर टीम इंडिया को पाकिस्तान का सामना करना है. भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाना है. एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कप्तानी करने जा रहे हैं. वहीं शुभमन गिल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है. टीम में स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. श्रेयस अय्यर का टीम में ना होना फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर गया. अब श्रेयस ने एशिया कप स्क्वॉड में नहीं चुने जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. श्रेयस ने टीम से बाहर किए जाने पर खिलाड़ियों को होने वाली मानसिक चुनौतियों के बारे में भी बात की.

मोहम्मद रिजवान ने अकेले जितवा दिया मैच, पाकिस्तान से बाहर होने के बाद इस टीम के लिए उड़ाए 22 छक्के-चौके

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद मोहम्मद रिजवान ने सीपीएल का रुख किया, जहां उनका करार सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम से हुआ. इसके आगे की कहानी सीपीएल 2025 में बखूबी दिख रही है. गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ 8 सितंबर को खेले मुकाबले में मोहम्मद रिजवान ने अपनी टीम को अकेले दम पर मैच जिताया. और, इसका इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से निकले थे,

रिजवान किसी गेंदबाज से नहीं हुए आउट

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. उसके लिए पारी मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर ने पारी की शुरुआत की. ओपनिंग जोड़ी तो ज्यादा देर तक नहीं जमीं पर रिजवान इतनी देर तक विकेट पर जरूर खड़े हो गए, जिससे गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराने लायक रन स्कोर बोर्ड पर लग गए. मोहम्मद रिजवान को मैच में गयाना का कोई गेंदबाज आउट नहीं कर सका. बल्कि वो रन आउट हुए. हालांकि, उससे पहले वो अपना काम कर चुके थे. मोहम्मद रिजवान ने गयाना के खिलाफ 137 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 62 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 8 चौके शामिल रहे. पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद खेली ये मोहम्मद रिजवान की सबसे बड़ी इनिंग है. इतना ही नहीं पाक टीम से बाहर होने के बाद रिजवान अब तक सीपीएल 2025 में खेले 5 मैचों में 62.66 की औसत से 22 छक्के-चौके के साथ 188 रन जड़ चुके हैं. अब तक उनके बल्ले से निकले 22 छक्के -चौकों में 13 चौके और 9 छक्के शामिल हैं.

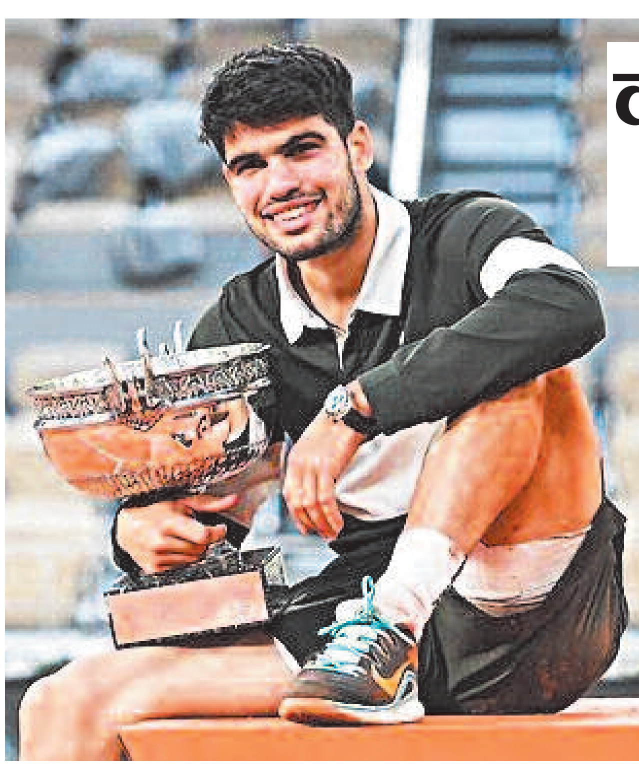

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी। अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।